संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 89
पृष्ठ 8
मंगलवार
16 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह उठते ही सिर में तेज दर्द क्यों....

विचार- सवाल पूछना एक कला है और...

खेल- इन पांच अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों...

नेहरू की वजह से देश को मिला उग्रवाद और अलगाववाद : योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कारण कश्मीर से देश को उग्रवाद, अलगाववाद प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता, लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। उनकी स्मृतियां, देश के प्रति सेवाएं व योगदान चिरस्मरणीय अध्याय बन गया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा। योगी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद में सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने परिश्रम से उच्च शिक्षा अर्जित की। इसके पीछे उनका उद्देश्य आजीविका प्राप्त कर विदेशी हुकुमूत की नौकरी करना नहीं, बल्कि देश–दुनिया को समझकर अपनी प्रतिभा व ऊर्जा का लाभ भारत मां के चरणों में समर्पित करना था। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व दिया। कई बार जेल की यातनाएं सहीं, लेकिन आजादी के आंदोलन से विचलित नहीं हुए। देश जब आजाद हो रहा था, उस समय उन्होंने पुरजोर तरीके से भारत के विभाजन का विरोध किया। उन्होंने 567 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा। योगी ने कहा कि जम्मू–कश्मीर रियासत कहां शामिल हो, इसे लेकर असमंजस की स्थिति थी, तब जवाहर लाल नेहरू ने कहा कि मैं पहल करूंगा। जम्मू–कश्मीर पं. नेहरू के हाथों में था, लेकिन उन्होंने जम्मू–कश्मीर को इतना विवादित करने का कार्य किया कि आजादी के बाद से वह लगातार भारत को डसता रहा। उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभारी है, जिन्होंने लौहपुरुष व डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपने को साकार करते हुए धारा–370 को समाप्त कर कश्मीर को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाने के लिए एक देश में एक प्रधान, एक विधान और एक निशान के संकल्प को आगे बढ़ाया।

ईडी ने मालब्रोस फर्म से संबंधित 79.93 करोड़ की संपत्ति की जब्त, PMLA के तहत हुई कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने पर्यावरण अपराध से संबंधित धन शोधन की जांच में मालब्रोस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की 79.93 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति, जिसमें जमीन, भवन, संयंत्र और मशीनरी शामिल हैं, जब्त कर ली है। ईडी के जालंधर क्षेत्रीय कार्यालय ने 13 दिसंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत इन संपत्तियों को जब्त किया। ईडी ने पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा मालब्रोस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ दायर आपराधिक शिकायत के आधार पर जांच शुरू की थी। शिकायत में मालब्रोस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड पर जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए अनुपचारित अपशिष्ट जल को रिवर्स बोरिंग के माध्यम से गहरे जलभंडारों में डालने का आरोप लगाया गया था।

'कब्र खुदेगी' वाले बयान पर हंगामा? प्रियंका गांधी का भाजपा पर हमला, कहा-

महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा से भाग रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस की एक रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को सवाल उठाया कि इस मुद्दे को संसद में क्यों उठाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय संसदीय मंत्री कार्यवाही में बाधा डाल रहे थे और सत्ताधारी दल प्रदूषण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा को रोक रहा है। पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि आप (मीडिया) यह नहीं पूछते कि केंद्रीय संसदीय मंत्री स्वयं सदन की कार्यवाही में बाधा क्यों डाल रहे थे... मंच से किसी ने भी ऐसा कुछ नहीं कहा। प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि फिर हमें पता चला कि जनता में से किसी व्यक्ति या कार्यकर्ता ने ऐसा बयान दिया था, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह कौन था। तो फिर इस मामले को सदन में क्यों उठाया जा रहा है? वे (सत्ताधारी दल) सदन को चलने ही नहीं देना चाहते। हमने प्रदूषण पर चर्चा की मांग की थी, लेकिन वे वह भी नहीं कर रहे हैं। उनकी ये टिप्पणी कांग्रेस नेता मंजू लता मीना के उस बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कथित 'वोट चोरी' के विरोध में पार्टी द्वारा आयोजित एक रैली के दौरान कथित तौर पर कहा था, ष्मोदी तेरी कब्र खुदेगी, आज नहीं तो कल खुदेगी। मीना ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि वह केवल कथित वोट धांधली पर जनता के गुस्से को व्यक्त कर रही थीं और प्रधानमंत्री पर प्रमुख मुद्दों को हल करने में विफल रहने का आरोप लगा रही थीं। उन्होंने कहा कि मतदान में धांधली को लेकर जनता में बहुत गुस्सा है। उन्होंने (भाजपा ने) धांधली करके सरकारें बनाई हैं और चुनाव आयोग भी उनके निर्देशों पर काम कर रहा है। वह (प्रधानमंत्री मोदी) रोजगार, युवाओं, महिलाओं या किसानों की बात नहीं करते। वह मुद्दों से ध्यान भटकाते हैं," मीना ने कहा। वह जयपुर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष भी हैं। दिल्ली–एनसीआर में बिगड़ते वायु प्रदूषण की स्थिति पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने संसदीय चर्चा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, "स्थिति पहले से कहीं ज्यादा खराब हो गई है। हमें इस पर चर्चा करनी चाहिए। मैं इस पर चर्चा के लिए एक नोटिस जारी करूंगी।"

अमित शाह के हाथ में रिमोट कंट्रोल..., नितिन नबीन को भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने पर कांग्रेस ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने सोमवार को बिहार के पांच बार के विधायक नितिन नबीन को भाजपा का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि नबीन सिर्फ 'कार्यकारी अध्यक्ष' बनकर रह जाएंगे, जबकि पार्टी की असली बागडोर अमित शाह के हाथों में होगी। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष की नियुक्ति

बिना चुनाव के की गई है और उन्हें 'कार्यकारी अध्यक्ष' का पदनाम दिया गया है। कार्यकारी अध्यक्ष भाजपा का एक सांकेतिक शब्द है, जिसका अर्थ है कि गैर–कार्यकारी केंद्रीय गृह मंत्री भाजपा अध्यक्ष को नियंत्रित करते हैं, न कि गृह मंत्रालय का संचालन करते हैं। खेड़ा ने आगे कहा कि रिमोट कंट्रोल अमित शाह के हाथों में ही रहेगा, जैसा कि पहले होता आया है। नड्डा जी भाजपा अध्यक्ष के रूप में घूमते–फिरते थे, लेकिन प्रमुख निर्णय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लेते थे, और अब भी ऐसा ही होगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने पार्टी मुख्यालय में अपने आधिकारिक दायित्वों का कार्यभार संभाला। यह उनके राजनीतिक करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी यात्रा से पहले एएनआई से बात करते हुए, नबीन ने बिहार और अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया और राष्ट्रीय भूमिका तक पहुंचने का श्रेय उनके आशीर्वाद को दिया। उन्होंने कहा, मेरे निर्वाचन क्षेत्र के लोगों ने मुझे आशीर्वाद दिया। उनके आशीर्वाद से ही यह संभव हो पा रहा है। नबीन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन को भी स्वीकार किया, जिन्होंने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी।

पीएम मोदी के खिलाफ नारों के लिए देश से माफी मांगें खरगे और सोनिया : जेपी नड्डा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने सोमवार को राज्यसभा में बोलते हुए कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पार्टी के नेताओं द्वारा की गई टिप्पणियों के लिए सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी जी को कल कांग्रेस की रैली में पीएम मोदी के खिलाफ लगाए गए नारों के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। कल की कांग्रेस रैली में पीएम मोदी के खिलाफ नारे लगाए गए। यह कांग्रेस पार्टी की सोच और मानसिकता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री के खिलाफ ऐसी बातें कहना निंदनीय है। सोनिया गांधी जी को इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। इस बीच, लोकसभा में किरेन रिजिजू ने रविवार को कहा कि कांग्रेस की एक रैली में कुछ नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की कब्र खोदने के नारे लगाए। उन्होंने इसे भारत के लिए बेहद दुखद समय बताया कि कांग्रेस की पुरानी पार्टी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल कर रही है। रिजिजू ने कहा, रैली में कई वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मौजूद थे और प्रधानमंत्री मोदी की कब्र

खोदने के नारे लगाए गए। कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) ने इस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया। समाजवादी पार्टी के सांसद राजीव राय ने कहा कि हमारे राजनीतिक मतभेद भले ही हों, लेकिन संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के बारे में बोलते समय हमें संयम बरतना चाहिए। एनसीपी (एसपी) नेता जयंत पाटिल ने कहा कि इस तरह के नारे लगाना सही नहीं है। उन्होंने आगे कहा, चाहे कुछ भी हो जाए, वह (नरेंद्र मोदी) प्रधानमंत्री हैं। रविवार को भाजपा पर विपक्ष द्वारा लगाए गए वोट चोरी के आरोपों का विरोध करने के लिए आयोजित वोट चोर गद्दी छोड़ रैली के दौरान जयपुर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष मंजू लता मीना ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ शकबरश नारा लगाया। बाद में जब पत्रकारों ने उनसे इस टिप्पणी के बारे में पूछा, तो उन्होंने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि वह केवल वोट चोरी को लेकर जनता के गुस्से को व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने कहा, वह (प्रधानमंत्री मोदी) रोजगार, युवाओं, महिलाओं या किसानों की बात नहीं करते। वह मुद्दों से ध्यान भटकाते हैं। हालांकि, उनकी इस टिप्पणी ने विवाद को जन्म दिया, जिसके बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने मांग की कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए।

वोट चोरी कांग्रेस का मुद्दा, 'इंडिया' गठबंधन का इससे कोई लेना-देना नहीं : उमर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस द्वारा उठाए गए वोट चोरी के मुद्दे से सोमवार को खुद को अलग कर लिया और कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन "इंडिया" का इससे कोई लेना–देना नहीं है।" इससे एक दिन पहले कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयुक्तों पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वोट चोरी सत्ताधारी पार्टी के डीएनए में है और उसके नेता गद्दार हैं जो लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की साजिश रच रहे हैं और उन्हें सत्ता से हटाया जाना चाहिए। अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस विपक्षी 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' ('इंडिया') गठबंधन में एक घटक है। लोकसभा में विपक्षी सांसदों की संख्या के हिसाब से कांग्रेस गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी है। कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे "वोट चोरी" और कथित चुनावी अनियमितताओं के मुद्दे पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा, " 'इंडिया' गठबंधन का इससे कोई लेना–देना नहीं है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मिले असम के मुख्यमंत्री, विकास और कल्याणकारी पहलों पर हुई चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर राज्य के विकास और जन कल्याण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। एक विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक में असम के आर्थिक विकास, अवसंरचना विकास और जन कल्याणकारी पहलों से संबंधित कई विषयों पर विचार–विमर्श किया गया। चर्चा का मुख्य बिंदु असम की विकास गति को और तेज करने

के लिए केंद्र और राज्य के बीच सहयोग को मजबूत करना था। मुख्यमंत्री ने असम के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने में निरंतर सहयोग और मार्गदर्शन के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और राज्य के लोगों की समग्र प्रगति और कल्याण के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। बाद में, पूर्व ट्विटर (एक्स) पर मुख्यमंत्री शर्मा ने लिखा, आज नई दिल्ली में माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती ⁄ देपजींतंउंद जी से मुलाकात करके सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमने असम के विकास और हमारी जनता के कल्याण से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि मैंने हमारी विकास यात्रा में उनके निरंतर समर्थन के लिए माननीय मंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया। इससे पहले रविवार को, मुख्यमंत्री शर्मा ने राष्ट्रीय राजधानी में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से शिष्टाचार मुलाकात की।

अम्मान पहुंचे पीएम मोदी, किंग अब्दुल्ला के निमंत्रण पर दो दिन की जॉर्डन की यात्रा पर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन देशों के अहम दौरे पर है, कुछ देर पहले पीएम मोदी अपनी यात्रा के पहले पड़ाव जॉर्डन पहुंचे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह दौरा भारत के पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ रिश्तों को नई मजबूती देने वाला है। व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर इस दौरान गहन बातचीत होगी।

अम्मन पहुंचने पर पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जॉर्डन की राजधानी अम्मन पहुंचने पर औपचारिक स्वागत किया गया। जॉर्डन के प्रधानमंत्री जाफर हसन ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत

किया। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक स्तर पर भू–राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है। भारत इस दौरे के जरिए अपने भरोसेमंद साझेदारों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। खास बात यह है कि जॉर्डन और इथियोपिया की यह पीएम मोदी की पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा होगी, जबकि ओमान का यह उनका दूसरा दौरा है। पीएम मोदी जॉर्डन में किंग अब्दुल्ला द्वितीय से आमने–सामने बातचीत करेंगे। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। भारत और जॉर्डन के बीच कूटनीतिक संबंधों के 75 साल पूरे हो रहे हैं, ऐसे में यह यात्रा विशेष मानी जा रही है। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और राजनीतिक सहयोग पर फोकस रहेगा। दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला भारत–जॉर्डन व्यापार कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसमें दोनों देशों के प्रमुख कारोबारी शामिल होंगे। इसके अलावा पीएम मोदी जॉर्डन में बसे भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। युवराज के साथ वह पेट्रा शहर का दौरा करेंगे, जो भारत के साथ प्राचीन व्यापारिक संबंधों का प्रतीक रहा है। जॉर्डन के बाद प्रधानमंत्री मोदी 16 से 17 दिसंबर तक इथियोपिया के राजकीय दौरे पर रहेंगे। यह उनकी पहली इथियोपिया यात्रा होगी।

अमीर प्रदूषण फैलाते हैं, गरीब मार झेलते हैं...दिल्ली की जहरीली हवा पर सुप्रीम कोर्ट की तल्ख टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दिल्ली–एनसीआर में बिगड़ते वायु प्रदूषण से संबंधित मामलों में वह प्रभावी आदेश पारित करेगा, जिन्हें लागू किया जा सकेगा। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने कहा कि वह दिल्ली–एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट के मामले की सुनवाई 17 दिसंबर को करेगी। वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह, जो एमिकस क्यूरी के रूप में बेंच की सहायता कर रही हैं। बेंच के समक्ष यह मामला उठाते हुए कहा कि हालांकि निवारक उपाय लागू हैं, लेकिन अधिकारियों द्वारा उनका खराब कार्यान्वयन ही मुख्य

समस्या है। उन्होंने कहा कि जब तक यह अदालत कोई निर्देश नहीं देती, अधिकारी पहले से मौजूद प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। इस पर पीठ ने कहा, यह मामला बुधवार को तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष आएगा। इस पर सुनवाई अवश्य होगी। चीफ जस्टिस ने कहा कि हम समस्या को जानते हैं और हम ऐसे आदेश पारित करेंगे जिनका पालन किया जा सके। कुछ निर्देश ऐसे हैं जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी टिप्पणी की कि प्रदूषण की मार सबसे ज्यादा गरीबों पर पड़ती है, जबकि प्रदूषण फैलाने वाली गतिविधियों में अक्सर संपन्न वर्ग की भूमिका होती है। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने इससे सहमति जताते हुए कहा कि गरीब मजदूर इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। महानगरों में लोगों की अपनी लाइफस्टाइल होती है और वो गंभीर वायु प्रदूषण के बावजूद उसमें बदलाव नहीं लाना चाहते। लेकिन गरीबों का क्या होगा। एक अन्य वकील ने बच्चों के स्वास्थ्य से संबंधित एक आवेदन का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्व आदेशों के बावजूद स्कूलों में बाहरी खेल गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

छात्रों की पुलिस से झड़प, सड़क पर घसीटा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (UPPSC) के सामने छात्रों और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प हो गई। जमकर धक्का–मुक्की हुई। छात्र गेट के बाहर बैठकर प्रदर्शन कर रहे थे, जिससे सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। जाम खुलवाने के लिए पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा और छात्रों को वहां से हटाने लगा, लेकिन छात्रों ने हटने से मना कर दिया। पुलिस ने जब उन्हें उठाने की कोशिश की तो झड़प हो गई। काशी के छात्र अखिलेश यादव पुलिसवालों से भिड़ गए। पुलिसवालों ने उन्हें सड़क पर घसीटा और टांगकर वहां से हटाया। इस दौरान एक दरोगा भी सड़क पर गिर गया। फिलहाल, छात्रों को रोकने के लिए RAF–PAC और पुलिस के करीब 300 जवान तैनात हैं। आयोग के गेट के बाहर बैरिकेडिंग कर दी। ड्रोन से निगरानी की जा रही है। अभी 200 से ज्यादा छात्र प्रदर्शन कर रहे हैं और उनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदर्शन के दौरान छात्र आशुतोष पांडेय की अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, वाराणसी से प्रयागराज आ रहे समाजवादी छात्रसभा BHU इकाई अध्यक्ष हिमांशु यादव समेत कई छात्रों को हिरासत में ले लिया गया है। उन्हें BHU चौकी पुलिस में रखा गया है।

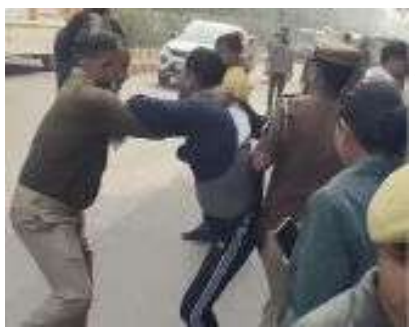

प्रयागराज के रेस्टोरेंट में मारपीट मामले में एक और एफआईआर

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र स्थित पत्रिका चौराहे के वाइस रेस्टोरेंट में हुक्का बार संचालन और मारपीट के मामले में अब दूसरा पक्ष भी सामने आ गया है। पहले रेस्टोरेंट कर्मचारी की तहरीर पर मुकदमा दर्ज हुआ था, वहीं अब खुद को पीड़ित बताते हुए अधिवक्ता अनिल पाण्डेय ने रेस्टोरेंट मालिक समेत चार लोगों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। दूसरे पक्ष की ओर से दर्ज एफआईआर में अनिल पाण्डेय ने बताया है कि वह अधिवक्ता हैं। तहरीर के अनुसार, 8 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब तीन बजे वह अपने मित्र आकाश प्रताप और शिवांश यादव उर्फ छोटू के साथ वाइस रेस्टोरेंट में नाश्ता करने गए थे। आरोप है कि चाऊमीन में बदबू आने पर जब उन्होंने विरोध किया तो वेटर, जो कथित तौर पर नशे की हालत में था, गाली–गलौज करने लगा। अनिल पाण्डेय का आरोप है कि इसके बाद रेस्टोरेंट मालिक आदित्य तिवारी को बुलाया गया, जो आशीष पाण्डेय उर्फ प्रिंस पंडित, अभिषेक पाण्डेय, प्रांजल केशरवानी और दो–तीन अज्ञात लोगों के साथ मौके पर पहुंचा। तहरीर के मुताबिक, आदित्य तिवारी ने पीछे से पकड़ लिया, जबकि आशीष पाण्डेय ने कट्टा निकालकर जान से मारने की नीयत से फायर करने की कोशिश की। इसके बाद कट्टे के बट से सिर पर कई वार किए गए, जिससे सिर फट गया और खून बहने लगा। आरोप है कि हमलावरों ने सोने की चेन और दो हजार रुपये रखा पर्स भी जबरन छीन लिया। एफआईआर में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों ने पीड़ित से दो लाख रुपये "गुंडा टैक्स" की मांग की और रकम न देने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रेस्टोरेंट मालिक समेत चार नामजद और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस पूरे मामले में अब दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज हो चुकी है। एक तरफ रेस्टोरेंट कर्मचारी ने मारपीट, जातिसूचक गाली और धमकी का आरोप लगाया है, वहीं दूसरी तरफ अधिवक्ता ने फायरिंग, लूट और रंगदारी जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों के आरोपों के चलते यह मामला पुलिस के लिए चुनौती बन गया है। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है।

दूध लेने निकले युवक की ट्रेन की चपेट में मौत

प्रयागराज (संवाददाता)। फूलपुर थाना क्षेत्र के भोगवारा गांव में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में 27 वर्षीय युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान भोगवारा निवासी रामअचल पुत्र स्वर्गीय आशा राम के रूप में हुई है। घटना सोमवार सुबह करीब 9 बजे की है, जब रामअचल गांव के सामने स्थित रेलवे ट्रैक को पार कर रहे थे। परिजनों के अनुसार, रामअचल भोगवारा तिराहे पर स्थित एक डेरी से अपने छोटे बेटे के लिए दूध लेने गए थे। सुबह के समय क्षेत्र में घना कोहरा छाया हुआ था, जिससे दृश्यता बेहद कम थी। इसी दौरान रेलवे ट्रैक पार करते समय उन्हें तेज रफ्तार ट्रेन का आभास नहीं हो सका और वह उसकी चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना पर डायल 112 की टीम तथा फूलपुर कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रामअचल चार भाइयों में तीसरे नंबर के थे। उनके परिवार में पत्नी और एक दो वर्षीय पुत्र है। अचानक हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पत्नी और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। वहीं, युवक की असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि भोगवारा गांव के सामने रेलवे अंडरपास या ओवरब्रिज न होने के कारण लोगों को रोजाना जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है। इस स्थान पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। ग्रामीण लंबे समय से रेलवे प्रशासन से अंडरपास निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंची पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, पूछा-रुकावट आने पर क्या करें

संत बोले- रौंदकर आगे बढ़ें

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद की पूर्व सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने रविवार को प्रेमानंद महाराज से मुलाकात कीं। इसका वीडियो डॉ. रीता बहुगुणा जोशी अपने सोशल मीडिया पर अकाउंट पर शेयर किया गया है। इसमें रीता बहुगुणा जोशी अपने सहयोगी के साथ स्वामी प्रेमानंद के सामने खड़ी हैं।

इस दौरान उन्होंने मन की बात संत के सामने रखी। उन्होंने कहा–आपका दार्शनिक ज्ञान और विचारधारा करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला रही है। देशभर के लोग आपके दर्शन के लिए उत्सुक रहते हैं। स्वयं आप और आपके जैसे अनेक लोग पिछले कई दशकों से देशसेवा में निरंतर लगे हुए हैं।

इस पर प्रेमानंद महाराज ने कहा–व्यक्ति को अपनी सकारात्मक भावना को और अधिक सुदृढ़ करना चाहिए और सभी रुकावटों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सकारात्मकता में स्वयं शक्ति होती है, जबकि रुकावटें और बाधाएं नकारात्मकता का रूप होती हैं। नकारात्मक सोच इतनी हावी नहीं होनी चाहिए कि व्यक्ति निराश, उदास या हताश हो जाए। इसके विपरीत, अपनी सकारात्मक सोच और आस्था को इतना मजबूत बनाना चाहिए कि नकारात्मकता स्वतः ही परास्त हो जाए।"

उन्होंने जोर देते हुए कहा–भगवान पर भरोसा, अपने प्रयास और सकारात्मक सोच के सहारे हर बाधा को पार किया जा सकता है। निरंतर आगे बढ़ते रहना ही जीवन का सही मार्ग है। इस बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसे लोग प्रेरणादायक बताते हुए साझा कर रहे हैं और कई सामाजिक व राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग प्रेमानंद महाराज के इस संदेश को वर्तमान समय में बेहद प्रासंगिक मान रहे हैं।

रीता बहुगुणा जोशी कांग्रेस के दिग्गज नेता हेमवती नंदन बहुगुणा की बेटी हैं। उनके पिता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, जबकि उनकी मां कमला बहुगुणा सांसद थीं। रीता बहुगुणा जोशी का जन्म 22 जुलाई 1949 को उत्तराखंड में हुआ। बचपन से ही पढ़ाई में होशियार रहीं रीता ने इतिहास विषय में पीएचडी की और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में भी सेवाएं दीं। उनके भाई विजय बहुगुणा उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उनके पति पीसी जोशी पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर हैं।

राजनीतिक परिवार में जन्म लेने के कारण रीता बहुगुणा जोशी पर बचपन से ही राजनीति का प्रभाव रहा। वर्ष 1995 से 2000 तक वह इलाहाबाद की

मेयर रहीं। इसके बाद 2003 से 2007 तक उन्होंने ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली। 2007 से 2012 तक वह उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष रहीं। इसके अलावा वह नेशनल काउंसिल ऑफ वूमेन की उपाध्यक्ष भी रहीं।

रीता बहुगुणा जोशी ने दो बार लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली। वर्ष 2012 में उन्होंने लखनऊ कैंट विधानसभा सीट से जीत दर्ज की। 2014 में उन्होंने लखनऊ से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार का सामना करना पड़ा।

रीता बहुगुणा जोशी का नाम कई बार विवादों में भी रहा। 16 जुलाई 2009 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में मुरादाबाद जेल भेजा गया। वर्ष 2011 में भट्टा पारसौल आंदोलन के दौरान उन्होंने राहुल गांधी के साथ गिरफ्तारी दी थी।

करीब 24 वर्षों तक कांग्रेस में रहने के बाद मतभेदों के चलते 20 अक्टूबर 2016 को रीता बहुगुणा जोशी ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने लखनऊ कैंट सीट से समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव को हराया। उन्हें ब्राह्मण मतदाताओं में अच्छी पकड़ वाला नेता माना जाता है।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में रीता बहुगुणा जोशी ने इलाहाबाद सीट से भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की। हालांकि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उनका टिकट काटकर नीरज त्रिपाठी को मैदान में उतारा।

रामधारी सिंह दिनकर की 'रश्मिरथी' का प्रभावशाली मंचन

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में प्रवीण सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित प्रवीण स्मृति नाट्योत्सव 2025 का समापन हो गया। महोत्सव के पांचवें और अंतिम दिन हिंदी साहित्य के महान कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' के अमर खण्डकाव्य 'रश्मिरथी' का प्रभावशाली मंचन किया गया। नाट्योत्सव के अंतिम दिन प्रस्तुत श्रश्मिरथीश का मंचन महाभारत के पात्र कर्ण के संघर्षपूर्ण जीवन, नैतिक दृढ़ता और आत्मसम्मान पर केंद्रित था। वर्ष 1952 में प्रकाशित यह खण्डकाव्य सात सर्गों में विभाजित है, जो कर्ण के व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। नाटक में कर्ण को नैतिकता, मानवीय मूल्यों और कर्म की श्रेष्ठता के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस प्रस्तुति के माध्यम से दिनकर द्वारा उठाए गए सामाजिक और नैतिक प्रश्न प्रभावी ढंग से सामने आए। इसमें गुरु–शिष्य परंपरा, मातृत्व के विभिन्न रूप, धर्म–अधर्म, छल–प्रपंच और युद्ध के बीच मानवता की पहचान जैसे विषयों को दर्शाया गया। नाटक का केंद्रीय संदेश था कि मनुष्य का मूल्यांकन उसके जन्म या वंश से नहीं, बल्कि उसके कर्म और आचरण से होना चाहिए। 'रश्मिरथी' के माध्यम से दिनकर का राष्ट्रवादी दृष्टिकोण और दलित–मुक्ति चेतना भी स्पष्ट रूप से प्रस्तुत हुई। कर्ण का संघर्ष एक नई मानवता की स्थापना के प्रयास के रूप में मंच पर दिखाया गया। ओजस्वी संवाद, सशक्त अभिनय और प्रभावशाली मंच–सज्जा ने प्रस्तुति को विशिष्ट बनाया। नाटक के समापन पर दर्शकों ने खड़े होकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। मुख्य भूमिका में स्पर्श मिश्रा (कर्ण) के अभिनय की विशेष सराहना हुई। निर्देशन बिजयेन्द्र कुमार टॉक ने किया, जबकि संगीत, प्रकाश और मंच परिकल्पना ने नाटक को प्रभावी बनाया। इसके साथ ही प्रवीण स्मृति नाट्योत्सव 2025 का सफल समापन हुआ।

एसआईआर की हकीकत परखने प्रयागराज पहुंचे स्पेशल ऑब्सर्वर सुब्रमण्यम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज जनपद में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान के तहत मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। भारत सरकार के संयुक्त सचिव एवं स्पेशल ऑब्सर्वर जे. वी. एन. सुब्रमण्यम और जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने प्रयागराज के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मैरी लुकस स्कूल एंड कॉलेज, महर्षि बाल्मीकि इंटरमीडिएट कॉलेज सहित अन्य स्थानों पर बनाए गए बूथों का जायजा लिया गया। स्पेशल ऑब्सर्वर और डीएम ने मौके पर तैनात बूथ लेवल अधिकारियों और बूथ लेवल एजेंट्स से सीधे संवाद किया। इस दौरान मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रगति, आ रही दिक्कतों और समाधान के उपायों पर विस्तृत चर्चा की गई। विशेष रोल प्रेक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए गए। निरीक्षण के दौरान डीएम मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि 4 नवंबर से शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया के तहत प्रयागराज जनपद में मतदाता सूची का डिजिटलीकरण कार्य पूरा कर लिया गया है। इस प्रक्रिया में करीब 25 प्रतिशत मतदाताओं को एएसडी श्रेणी में चिन्हित किया गया है, जिनकी संख्या हर विधानसभा क्षेत्र में अलग–अलग है। इन सभी मतदाताओं का दोबारा सत्यापन कराया जा रहा है ताकि किसी भी तरह की त्रुटि न रह जाए। डीएम ने बताया कि सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर एएसडी मतदाताओं की सूची साझा कर दी गई है। यह सूची जिला प्रशासन की वेबसाइट पर भी अपलोड की गई है। इसके साथ ही सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ और राजनीतिक दलों के बूथ एजेंट्स के बीच एएसडी सूची का आदान–प्रदान भी सुनिश्चित कराया गया है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा प्रयागराज के लिए एक विशेष ऑब्सर्वर की नियुक्ति की गई है। प्रशासन का लक्ष्य 26 दिसंबर तक सभी चिन्हित एएसडी मतदाताओं का पुनः सत्यापन कर मतदाता सूची का शुद्धिकरण पूरा करना है। यदि कोई पात्र मतदाता गलत तरीके से हटाया गया होगा तो उसे समय रहते सूची में शामिल किया जाएगा, वहीं अपात्र मतदाताओं को सूची से बाहर किया जाएगा। प्रशासन का स्पष्ट उद्देश्य है कि कोई भी पात्र मतदाता अपने अधिकार से वंचित न रहे।

माघ मेले में अब 9 पांटून पुल, लखनऊ रूट से आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत

बैठक में जनप्रतिनिधियों व संतों ने दिए सुझाव

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में आगामी माघ मेले को लेकर सोमवार को माघ मेला सलाहकार समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जनप्रतिनिधियों, मेला प्रशासन, पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ धार्मिक संस्थाओं और विभिन्न अखाड़ों के साधु–संत शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य माघ मेले को अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और श्रद्धालु–अनुकूल बनाना रहा।

शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने बैठक में कहा कि महाकुंभ में सेक्टर 4, 5 और 6 तथा जीटी रोड के उत्तर क्षेत्र में मेला प्रारंभ होने से पहले पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की शिकायत सामने आई थी, जिस पर गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पांटून पुलों को चलायमान स्थिति में रखा जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में कोई परेशानी न हो।

साथ ही पार्किंग व्यवस्था को लेकर कहा कि जब तक पार्किंग स्थल पूरी तरह भर न जाएं, तब तक श्रद्धालुओं को रोका न जाए, जिससे अनावश्यक जाम और अव्यवस्था न फैले।

महापौर गणेश केसरवानी ने मेले की सुरक्षा और प्रबंधन को लेकर कई अहम सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले गैर–सनातनी लोगों का विधिवत रिकॉर्ड रखा जाए। झूला लगाने वालों और वहां कार्यरत कर्मचारियों का सत्यापन व रिकॉर्ड अनिवार्य किया जाए।

पांटून पुलों की अपडेट स्थिति सहित अन्य महत्वपूर्ण सूचनाओं के लिए पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम का प्रभावी उपयोग किया जाए। उन्होंने रिवर फ्रंट क्षेत्र में पर्याप्त लाइटिंग, बारिश और अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव के लिए पुख्ता इंतजाम करने पर भी जोर दिया।

महापौर ने बताया कि गंगा पूजन के साथ एक आभार कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा, प्रयाग महात्म्य से जुड़ी होर्डिंग्स शहर के विभिन्न स्थानों पर लगाई जाएंगी, ताकि श्रद्धालु प्रयागराज के धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व को जान सकें।

बैठक में कल्पवासियों के सम्मान को लेकर भी सहमति बनी, ताकि आने वाली पीढ़ी माघ मेले और कल्पवास की महत्ता, महत्व और आध्यात्मिक लाभ को समझ सके। इस दौरान दंडीबाड़ा, आचार्यबाड़ा सहित विभिन्न संस्थाओं ने भी अपने सुझाव रखे और मेले को परंपरा, अनुशासन और श्रद्धा के अनुरूप आयोजित करने पर बल दिया।

इस बैठक में शहर उत्तरी विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, महापौर गणेश केसरवानी, मेला एसपी नीरज पांडे, अपर मेला अधिकारी दयानंद, बड़े हनुमान मंदिर के महंत बलबीर गिरी समेत अन्य साधु–संतों सहित मेला प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रयागराज में आशा वर्कर्स का धरना–प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले फूलपुर सीएचसी पर प्रदर्शन, मानदेय की मांग

प्रयागराज (संवाददाता)। 2000 रुपए महीना में हम अपना गुजर बसर कैसे करेंगे? मंहगाई इतनी बढ़ी है इतने पैसे से तो हम केवल सब्जी ही खघ्रीद सकते हैं । अपने बच्चों को कैसे पढ़ायें । मुख्यमंत्री–प्रधानमंत्री से निवेदन है की हमारा मानदेय बढ़ाने की कृपा करें जिससे हमारे बच्चे भी पढ़ लिख ले । 'कुछ इसी तरह से आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों ने अपना दर्द दैनिक भास्कर से साझा किया।

मानदेय में बढ़ोतरी को लेकर प्रदेश में आशा बहुएं लगातार धरना प्रदर्शन कर रही हैं । सोमवार को भी पूरे प्रदेश में आशा वर्कर्रों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर धरना प्रदर्शन किया । आशा बहुओं की माँग हैं कि उनका मानदेय 2000 से बढ़ाकर 21000 किया जाय । फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भी उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन के बैनर तले आशा वर्कर्रों ने धरना प्रदर्शन किया।

मंहगाई के दौर में वेतन मात्र 2000 रुपए उनका कहना है कि 20 साल पहले 6 काम को करने के लिए उनका चयन हुआ था, लेकिन आज 60 काम कराए जा रहे है। इस मंहगाई के दौर में भी उनका वेतन मात्र 2000 रुपए है। विभाग से उनपर नसबंदी कराने का प्रेशर रहता है , डिलीवरी का प्रेशर रहता है , टीकाकरण का प्रेशर है । दिन भर घूम घूम कर बिना खाये– पिए वो मेहनत करती है । लेकिन वेतन इतना भर ही मिलता है कि केवल सब्जी ही खघ्रीद सकती है।

कई कई जगह तो 5 महीने

से वेतन भी नहीं मिला है। किसी तरह गुजर बसर कर रही है। बच्चों को किस तरीके से पढ़ाए, 2 जून की रोटी भी नसीब नहीं हो रही है। जब तक हमारी मांगे नहीं मानी जायेंगी हमारा ये धरना चलता रहेगा।

हम लोगों को टुकड़ों में मानदेय दिया जाता है प्रदर्शन कर रही यूनियन की सचिव मंजू देवी ने कहा कि कोरोना समय में हमे कोरोना वॉरियर कहा गया। हम लोगों को हर काम करने को दिए जाते हैं। हम लोग अगर किसी काम को थोड़ा सा भी विलंब करते हैं, तो हम लोगों को नोटिस जारी कर दिया जाता है।

पंचायत भवन से हजारों का सामान चोरी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के हंडिया थाना क्षेत्र स्थित भगौतीपुर गांव के पंचायत भवन में चोरी की घटना सामने आई है। चोरों ने ताला तोड़कर भवन से हजारों रुपये का इलेक्ट्रॉनिक सामान चुरा लिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने इसकी सूचना पुलिस को दी है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। यह घटना रात को हुई। चोरों ने पंचायत भवन का ताला तोड़ा और अंदर रखे बैटरी, इन्वर्टर और प्रिंटर सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लेकर फरार हो गए। चोरी हुए सामान की कीमत हजारों रुपये बताई जा रही है। चोरी की जानकारी ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हरिशंकर बिंद को हुई। उन्होंने तत्काल इमामगंज पुलिस चौकी में घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में चोरों की जल्द गिरफ्तारी और चोरी हुए सामान की बरामदगी की मांग की गई है। इस संबंध में इमामगंज चौकी प्रभारी ने बताया कि उन्हें चोरी की लिखित शिकायत प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। सड़क पर या पंचायत भवन के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज व अन्य उपकरणों के माध्यम से पुलिस जांच पड़ताल में जुटी हुई है। चौकी इंचार्ज शरद सिंह ने बताया कि दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कटरा गुलाब सिंह में मूल भूत स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हुआ सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह

सत्याग्रहियो नें सामूहिक रूप से कटरा गुलाब सिंह में ट्रामा सेंटर व मांधाता में सीएचसी बनाने की सरकार से लगाई गुहार
सत्याग्रह का प्रारंभिक असर- 3 दर्जन आशा, 1 दर्जन नर्स, फर्मासिस्ट डाक्टर सुबह से शाम तक अस्पताल में देते रहे सेवाएं सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व चिकित्सक तथा स्वास्थ्य कर्मियों ने भी अस्पताल की दशा बदलने मे अपने सहयोग का लिया संकल्प
अंग्रेजो के समय राजा की मदद से बने अस्पताल की वर्षो से नही ली गई सुध
सत्याग्रह के समापन पर पहुँचे विधायक जीत लाल ने कहा सरकार समाज के साथ सत्याग्रहियों की माँग को स्वीकार करते हुए अबिलम्ब प्रस्ताव तैयार करने का लिया निर्णय
कटरा गुलाब सिंह नागरिक विकास परिषद का हुआ गठन

प्रतापगढ़। कटरा गुलाब सिंह में मूल भूत स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सामूहिक सामाजिक सत्याग्रह का आयोजन सरदार पटेल तिराहा पर भयहरण नाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान के बैनर तले किया गया। सत्याग्रहियो नें दिन भर बारी बारी से अस्पताल की प्राचीन अच्छी दशा व आज की बदहाल स्थित पर चर्चा किया। सामूहिक रूप से कटरा गुलाब सिंह में ट्रामा सेंटर तथा मांधाता में सीएचसी बनाने की सरकार व जिला प्रशासन से गुहार लगाई। निर्णय लिया गया की एक सप्ताह तक हम लोग जन प्रतिनिधियों के माध्यम से इस संबंध में आवश्यक प्रस्ताव आदि भिजवाये जायेंगे। वहीं अंत में विश्वनाथगंज विधायक जीत लाल पटेल ने सत्याग्रह के समापन पर पहुँच कर सत्याग्रहियों को आश्वस्त किया कि कटरा गुलाब सिंह को ट्रामा सेंटर व मान्धाता पी एच सी को सी एच सी का प्रस्ताव अति शीघ् करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर भी यहाँ की मूल भूत स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ साथ बेहतर सुव्यवस्था किया जायेगा।

सत्याग्रह अपने निर्धारित समय से आधा घंटा बिलम्ब से प्रारंभ हुई। सत्याग्रह का संयोजन सामाजिक नेता लाल जी सिंह, आर टी आई कार्यकर्ता राजीव नयन मिश्र, व्यापार मंडल के अध्यक्ष डॉ अमर बहादुर सिंह, कवि व पत्रकार डॉ अशोक अग्रहरि तथा पत्रकार डॉ बच्चा लाल पटेल ने भय हरण नाथ धाम के महासचिव समाज शेखर के मार्गदर्शन में किया गया। सत्याग्रह का प्रारंभिक असर स्पष्ट देखने को मिला कि अक्सर जिस अस्पताल कटरा गुलाब सिंह में कोई नही मिलता था वहाँ रविवार को भी 3 दर्जन आशा, 1 दर्जन नर्स, फर्मासिस्ट डाक्टर सुबह से शाम तक अस्पताल में अपनी सक्रिय सेवाएं देते रहे । आम दिनों की अपेक्षा साफ सफाई आदि की दशा मे भी सुधार दिखा। अस्पताल में सुबह से ही सेवा दे रहे ब्लाक के सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी व पीएचसी छितपालगढ़ के प्रभारी चिकित्सक तथा स्वास्थ्य कर्मियों ने भी अस्पताल की दशा बदलने मे अपने सहयोग का संकल्प व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि कटरा गुलाब सिंह तरौल के राजा बाबू गुलाब सिंह के द्वारा बसाई गई है. बुजुर्गो ने बताया कि 1938 में अंग्रेजो के समय राजा की मदद से यह अस्पताल बना था। बहुत अच्छी व्यवस्था थी। धीरे धीरे वर्षो से इसकी सुध स्थानीय जिम्मेदार लोग लेना कम कर दिये। इस अहम मुद्दे पर जन प्रतिनिधि भी उदासीन हो गए। 1970 के दशक में स्थानीय समाज का नेतृत्व किये देश के प्रमुख सामाजिक चिंतक डॉ चंद्र शेखर प्राण , शिक्षक नेता बिनोद सिंह, हौसला ओझा, राम जी शुक्ल, आत्म प्रकाश श्रीवास्तव आदि ने अस्पताल की दशा सुधारने हेतु सतत संगठित सहयोग का भरोसा दिलाते हुए इस कार्य को क्षेत्र का प्राथमिक व महत्वपूर्ण कार्य बताया। लोगो ने सरकार के सभी कार्यो की सराहना करते हुए यहाँ की माँग को प्राथमिकता पर पूर्ण किये जाने की अपेक्षा की है।

कटरा गुलाब सिंह नागरिक परिषद का गठन

इस अवसर पर बेहतर स्वास्थ्य सुबिधा सहित नगर पंचायत क्षेत्र में मूल भूत नागरिक समस्याओं के समाधान हेतु कटरा गुलाब सिंह नागरिक विकास परिषद का गठन सर्वसम्मति से महासचिव समाज शेखर की देखरेख व मार्गदर्शन में सार्वजनिक रूप से हुआ। जिसमे अध्यक्ष के रूप में लाल जी सिंह को जिम्मेदारी मिली है। वहीं उपाध्यक्ष संगठन के रूप में इंद्रेश प्रताप सिंह को तथा उपाध्यक्ष कार्यक्रम के रूप में दीपक जायसवाल को चुना गया। महामंत्री के रूप में राजीव नयन मिश्र पर समाज ने भरोसा जताया। वहीं मंत्री कार्यक्रम राहुल गौतम व मन्त्री संगठन पीयूष शुक्ल शास्त्री को चुना गया है। उप मंत्री कार्यक्रम रमेश अग्रहरि व उप मन्त्री संगठन के रूप में मनीराम पटेल को जिम्मेदारी दी गई । कोषाध्यक्ष के रूप में कमलेश वैश्य व सह कोषाध्यक्ष के रूप में बच्चा लाल पटेल को चुना गया है। आडीटर उत्प्रेरक के रूप में डॉ अमर बहादुर सिंह को जिम्मेदारी दी गई। इस कार्य समिति के संरक्षण हेतु एक संरक्षक व मार्गदर्शन मंडल का गठन हुआ। जिसमे देवी प्रसाद मिश्र, छोटे लाल पटेल, बबन सिंह, दिनेश अग्रहरि, शैलेंद्र अग्रहरि, जग नारायण सेठ, उमेश महाजन, घनश्याम गिरी, घनश्याम अग्रहरि , प्रेम चंद्र मल्हू, मो फरहीम, डॉ लाल चंद्र जौहर, नरेंद्र प्रताप सिंह, राम चंद्र गौतम तथा धर्म चंद्र कौशल को चुना गया। चौकी प्रभारी कटरा गुलाब सिंह व प्रभारी थाना जेठवारा, अध्यक्ष व अधिशाषी अधिकारी पंचायत कटरा गुलाब सिंह तथा महासचिव भयहरण नाथ धाम को पदेन संरक्षक तय किया गया।

अंत में विधायक जीत लाल पटेल तथा सत्याग्रह में उपस्थित सभी नागरिकों द्वारा नव गठित ष्कटरा गुलाब सिंह नागरिक परिषद ष के पदधिकारियों को बधाई दी गई। सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने अस्पताल सहित सभी मुद्दों पर आवश्यक कदम उठाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जागरूक नागरिकों, व्यापारियों, किसानो और छात्रों ने प्रतिभाग कर अपने विचार व्यक्त किया।

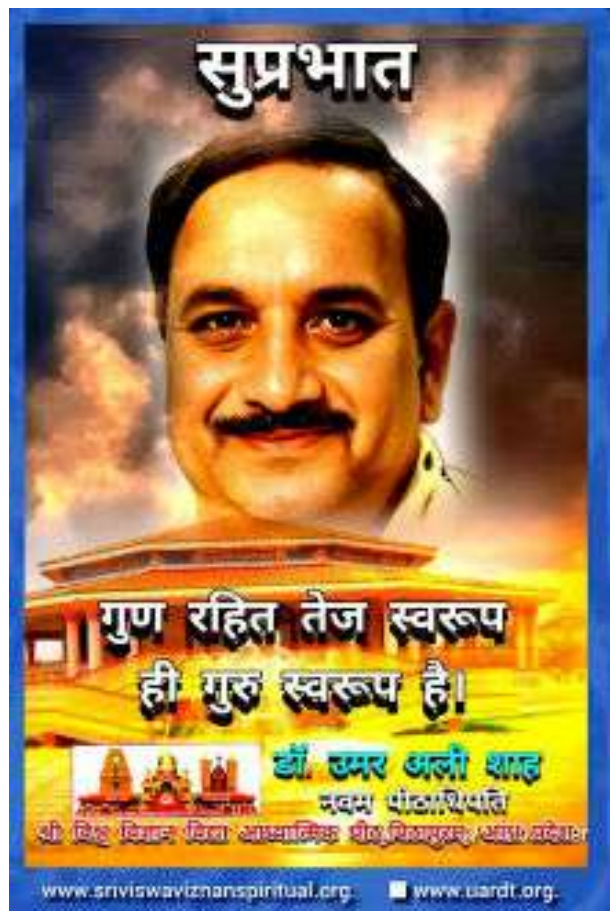

सदाबहार

कद में छोटा है मगर, करता काम महान।
प्यारे सदाबहार की, है अद्भुत पहचान।
है अद्भुत पहचान,दवाओं में यह ढलके।
सबको रखता स्वस्थ, लोभ से ऊपर उठके।
सुन लो कहें प्रदीप, अलग दिखता है सब में।
करते हैं तारीफ, भले छोटा हो कद में।।

जंगल में पैदा हुई, उपवन की है शान।
कहते सदाबहार की, है प्यारी पहचान।
है प्यारी पहचान, पाँच पंखुरियों वाला।
जिसके नाना रंग, खिलें तब लगते आला।
सुन लो कहें प्रदीप, सदा करते हैं मंगल।
रह उपवन के साथ, ढूँढ़ते अब भी जंगल।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रकृति की गोद (विंडम फाल) में काशी काव्य संगम की काव्य गोष्ठी सम्पन्न

मिर्जापुर। काशी काव्य संगम,वाराणसी की संस्था ने प्रकृति की गोद के तहत विंडम फाल, मिर्जापुर में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया जिसमें काशी के कवियों के अलावा मिर्जापुर, सोनभद्र के कविगण शामिल हुए। इस कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती की वंदना से प्रारंभ हुआ जिसे करुणा सिंह जी ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अशोक कुमार सिंह वरिष्ठ गीतकार जी ने किया इस अवसर पर डॉक्टर अशोक कुमार सिंह ने कहा कि यह एक बहुत अच्छी पहल है की हम बंद कमरों से निकल कर प्रकृति के बीच में आकर प्रकृति का आनंद लेते हुए काव्य पाठ करें और अन्य जगहों के कवियों से परिचय प्राप्त करें तथा उनकी रचनाओं को भी सुने जिससे हमें अपनी रचनाओं को और अच्छा बनाने का प्रेरणा मिलती है। इस अवसर पर निम्न कवियों ने अपनी अपनी रचनाओं से वहां मौजूद दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और तथा उन्हें वाह वाह करने तथा तालियां बजाने को मजबूर कर दिया। सर्वश्री रामनरेश नरेश ,आलोक सिंह बेताब ,डॉक्टर अशोक सिंह ,सिद्धनाथ शर्मा सिद्ध, मुनिंद पांडे मुन्ना ,कंचन सिंह परिहार, अखलाक खान भारतीय ,टीकाराम शर्मा आचार्य, डॉक्टर छोटेलाल सिंह मनमीत ,रामजतन पाल, शमीम गाजीपुरी ,परमहंस तिवारी परम, आनंद कृष्ण मासूम ,डॉक्टर सुभाष चंद्र, जयप्रकाश मिश्रा धानापुरी, गणेश सिंह प्रहरी, दीपक शर्मा ,संतोष प्रीत, डॉक्टर पुष्पेंद्र अस्थाना ,संजय गुप्ता केदारनाथ सविता, अमित आनंद, रविंद्र कुमार पांडे , विजय श्रीवास्तव मिर्जापुर ,अनिल कुमार यादव ,डॉक्टर नसीमा निशा, उषा पांडे, करुणा सिंह, संध्या श्रीवास्तव, डॉक्टर सुधा सिंह, इला जायसवाल नंदिनी वर्मा ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में आए हुए कवियों एवं अतिथियों का स्वागत आलोक सिंह बेताब, अध्यक्ष, काशी काव्य संगम ने तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर नसीमा निशा सचिव ,काशी काव्य संगम ने किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन अखलाक खान भारतीय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन वरिष्ठ साहित्यकार अमित आनंद जी ने किया।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से प्रतापगढ़ के वरिष्ठ पत्रकार ने की औपचारिक मुलाकात

प्रतापगढ़। मध्य प्रदेश भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री मोहन यादव सोमवार को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र व उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले का दौरा किया है सजहा काशी नगरी बाबा विश्वनाथ के मंदिर पहुंच कर विधिवत दर्शन पूजन कर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किए स दर्शन पूजन के बाद वाराणसी के ताज होटल में प्रतापगढ़ के ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिला उपाध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार रविंद्र मिश्र से औपचारिक मुलाकात हुई। मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार से हाल–चाल लेते हुए शुभकामनाएं दी।

चौधरी नरेश टिकैत के 63वें जन्मदिन पर विशेष : कमल मित्तल

मुजफ्फरनगर। हम बचपन से सुनते आ रहे हैं कि भारत एक कृषि प्रधान देश है और कृषि और गांव इन दोनों का गहरा नाता है। कृषि अर्थात खेती गांव देहातों में ही की जाती है। अगर हम शहर की तरफ की और रुख करें तो वहां सीमेंट और कंक्रीट से बनी इमारत दिखाई देंगी, वहां पर खेती का कार्य नहीं होता ।

अब यह तो पक्का हुआ कि खेती गांव एवं देहाती से जुड़ी है और गांव, देहात की संस्कृति एवं शहर की संस्कृति में एक बहुत बड़ा फासला होता है। गांव देहात में आए दिन छोटी–छोटी बातों को लेकर लोगों के बीच वाद– विवाद होते रहते हैं, जिसके निपटारे में सामाजिक रूप से प्रतिष्ठित लोगों खाप चौधरियों आदि की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हो जाती है।

आमतौर पर गांव और देहातो में खाप चौधरियों एवं खाप व्यवस्था का बहुत बड़ा प्रभाव है, जो हाल में सातवीं सर्वजातिय सर्वखाप महासम्मेलन सौरम में देखने को भी मिला है जिसमें देशभर से अनोको लोग इकट्ठा हुए और गांव देहात की समस्याओं पर विचार विमर्श कर 11 सूत्रीय एक प्रस्ताव पास किया गया। ऐसे में भारत सरकार यदि

जघन्य अपराधों को छोड़ छोटे–मोटे आपराधिक मामलों में खाप चौधरियों एवं पंचायत के फैसले (जो अधिकतर आपसी सहमति और समझौते पर आधारित होते हैं)को मान्य कर आगे बढ़े तो अदालतों का बोझ काफी कुछ कम हो सकता है।

सातवीं सर्वजातिय सर्वखाप महासम्मेलन सौरम के सफल आयोजन के बाद बालियान खाप के मुखिया चौधरी नरेश टिकैत की छवि में चार चांद लग गए हैं, हालांकि पिछले 15 वर्षों में चौधरी नरेश टिकट सर्व समाज के ताने को बुनने जोड़ने में लगातार प्रयत्नशील रहे हैं। सर्व समाज के हजारों मामलो को चौधरी नरेश टिकैत ने थाना, अदालत में जाने से पहले ही सुलझाया है। वही बहुत सारे मामलों जो अदालतों में विचाराधीन है उनमें भी आपसी सहमति के आधार पर अदालतों का बोझ कम करने का काम चौधरी नरेश टिकैत ने किया है। इन सामाजिक समझातों में चौधरी नरेश टिकैत की टीम का भी बड़ा सहयोग रहा है। मास्टर ओमपाल सिंह बंजी, किसान चिंतक कमल मित्तल सहित कई सामाजिक महानुभावों ने लगातार अपना पूरा सहयोग चौधरी नरेश टिकैत को दिया है।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बालियान खाप के चौधरी नरेश टिकैत आज 62 वर्ष के हो गए। आज सुबह से ही उन्हें जन्मदिन के पावन अवसर पर बधाई देने वालों का ताता लगा रहा। उनके मित्रों, शुभचिंतकों और समर्थकों ने चौधरी टिकैत से फोन कर, व्हाट्सएप पर एवं उनसे मुलाकात कर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। अलसुबह लगभग 6रू00 बजे चौधरी टिकैत के मित्र किसान चिंतक कमल मित्तल ने फोन कर चौधरी नरेश टिकैत को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी और श्री प्रभु से प्रार्थना की, कि वे सदैव स्वस्थ बने रहे ।

चकाचौंध पूर्ण राजनीतिक परिवेश में अपनी एक असाधारण पहचान बनाने वाले सादगी से परिपूर्ण चौधरी नरेश टिकैत ने अपना आज 63वा जन्मदिन बड़ी सादगी के साथ मनाया, उनके निवास पर पहुंचे समर्थकों एवं फोन और व्हाट्सएप पर उन्होंने सभी के बधाई संदेश स्वीकार कर सभी का धन्यवाद किया ।चौधरी नरेश टिकैत ने आज अपने जन्मदिन के पावन अवसर पर कहा कि वे गरीब, मजदूर और किसानो की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

उर्दू हिंदी संगम द्वारा मुशायरा एवं काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रयागराज। उर्दू हिन्दी साहित्यकार एवं चिंतक श्री अनवार अब्बास नकवी की सदारत में अहमदगंज स्थित ताहिरा हाउस पर जाते हुए साल और आते हुए साल के बीच अदबी अंजुमन ष्उर्दू हिंदी संगमष की माहाना निशस्त मुनश्अकध्दि हुई जिसके खुष्सूसी मेहमान श्री बसंत शर्मा जी और एजाजी मेहमान डाक्टर प्रदीप चित्रांशी जी रहे,निशस्त की निजामत संगीता सुमन ने की। अपने सदारती खुष्बे में जनाब अनवार अब्बास ने कहा कि बीते बरस के तज्रबे आने वाले साल के लिए सरमाया हैं,इसी सरमाये के सहारे हम नयी उम्मीद की तरफ नये हौसले के साथ बढ़ेंगे। अपने अदबी खघ्यालोंध्साहित्यिक विचारों और तखघ्लीकघि कोशिशोंध्रचनात्मक प्रयासों से समाज को हमाहंगध्समरस और एकजुट रखना अदीबोंध्साहित्यकारों की जिम्मेदारी है। समाज को सिम्तधदिशा देना अदबध्साहित्य का बुनियादी काम है। मुख्य अतिथि श्री बसंत शर्मा जी अपने विचार व्यक्त करते हुए बोले कि साहित्यिक गोष्ठी हमे एक दूसरे के साथ मिल बैठने और उनसे विचार के आदान– प्रदान का अवसर देती हैं,यह साहित्य की एक स्वस्थ्य सामाजिक परम्परा है। सम्मानित अतिथि दोहा सम्राट डाक्टर प्रदीप चित्रांशी जी ने कहा कि वास्तविक साहित्य समाज के हित में सदैव गम्भीर रहा है और उस ने इस काम को बिन किसी लोभ के किया है। साहित्यकार चाहे जिस भाषा का हो वह समाज ही का होता है। समाज की उथल पुथल और समस्या पर उसकी पैनी दृष्टि होती है और वह समाज की वाणी होता है। अपरोक्त के अतिरिक्त निशस्त में सुनील दानिश,इस्माईल नकघ्वी, अशोक कुमार कुमुद ,कुमैल जाफर, अम्बर वसीम,जाफर नवाब और मिर्जा राहिब ने भी अपनी रचनायें प्रस्तुत की। गोष्ठी के समापन पर संचालिका संगीता सुमन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

भारत विकास परिषद, मेन शाखा द्वारा पारिवारिक सभा का भव्य आयोजन

मुजफ्फरनगर। भारत विकास परिषद, शाखा मेन मुजफ्फरनगर द्वारा दिसंबर माह की पारिवारिक सभा का आयोजन रेलवे रोड स्थित ट्यूलिप बैंक्विट हॉल में हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में शाखा के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से किया गया। इसके पश्चात श्रीमती सुनीता साह द्वारा सभी सदस्यों के लिए आकर्षक तंबोला गेम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने भरपूर आनंद लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आकाश जी एवं वीरेंद्र जी द्वारा मधुर गीतों की प्रस्तुति दी गई, वहीं बिटिया नंदिता अग्रवाल ने भावपूर्ण कविता पाठ कर उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समयबद्धता का पालन करने वाले सदस्यों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। सभा में आयोजित कपल गेम ने सभी को आनंदित किया, जिसमें विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाखा के सभी सदस्यों ने शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा जी के सुपुत्र एवं पुत्रवधू को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए परिषद के संरक्षक हर्षवर्धन जैन, अशोक सिंघल एवं शाखा अध्यक्ष संजय मिश्रा जी ने परिषद की गतिविधियों एवं पारिवारिक आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर के.पी. राठी, मनोज राठी, सुखबीर सिंह, दीपक गर्ग, राजकुमार गुप्ता, विपिन चौधरी, अरुण कुमार, वीरेंद्र अग्रवाल, ब्रिजेश कुमार, आर.के. सैनी, पुरुषोत्तम सिंघल, अनुराग गुप्ता, नीरज कुमार, प्रीत वर्धन, अनिल कुमार शर्मा, डॉ. बी.के. आत्रेय, बृजमोहन शर्मा, राहुल कुशवाहा एवं धीरज उपाध्याय सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सुंदर एवं सफल आयोजन में शाखा सचिव नवनीत कुमार गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष नीरज सिंघल के विशेष सहयोग की सभी सदस्यों द्वारा भूरि–भूरि प्रशंसा की गई।

महोत्सवों की परम्परा हमारे लोक सांस्कृतिक चेतना की संवाहक : अशोक

करछना। हमारे समाज में अपने लोक जीवन की विविधा को लेकर पर्वों और विशेष दिवसों पर आयोजित कार्यक्रमों की एक सम्बृद्ध परम्परा रही है। वर्तमान समय में महोत्सव का स्वरूप ले रही, अपनी माटी परिपाटी, संस्कृति, संस्कार, आस्था, विचार और प्रतिभा दर्शन के समन्वय से अनुरंजित बिबिध महोत्सवों की यह परम्परा हमारी प्रीति,रीति की पहचान और लोक सांस्कृतिक चेतना की संवाहक है। यह बातें रामपुर स्थित लोक–मंगल संस्थान में आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के कार्यक्रम संचालक,चर्चित हास्य कवि अशोक सिंह श्बेशरमश्ने कही। उन्होंने बताया कि जमुनापार में विगत तीन दशक पूर्व जमुनापार महोत्सव की सर्जना ने क्षेत्र के मनीषियोंलोक कलाकारोंसाहित्यकारों बाल प्रतिभाओ,सन्तों और प्रबुद्धजनों को एक ही मंच पर संजोते हुए एक नया प्रतिदर्श स्थापित किया। प्रसिद्ध समाजसेवी एवं लोकप्रिय डा.भगवत पाण्डेय की अनूठी सोच और अपने अतीत की विरासत को सहेजे रखने के प्रति समर्पित भावना को लेकर इस क्रम में क्षेत्र में अन्य महोत्सव आरम्भ हुए। कोरांव महोत्सव, युवा महोत्सव, मनकामेश्वर महोत्सव, रामगढ़ महोत्सव, मेजा महोत्सव, सार्वजनिक गणपति महोत्सव,नैनी महोत्सव, कौंधियारा महोत्सव,पाटलेश्वर महोत्सव एवं सारंग महोत्सव सहित पूरे जमुनापार क्षेत्र में विकसित महोत्सवोंकी यह परम्परा अनवरत आगे बढ़ रही है। जहां आज भी अपने बीच के कलाकारों,कवियों,चिन्तकों, प्रबुद्धजनों जनप्रतिनिधियों विद्वानों को जोड़कर उनके अनुभव,विचार और प्रतिभा प्रदर्शन से हमारी नई पीढ़ी भी रूबरू हो रही है। सामाजिक समरसता को लेकर आज के इस दौर में यह महोत्सव इस बात के लिए भी जरूरी हैं कि एक जगह मिल बैठकर हम सब अपने इन सांस्कृतिक संवाहकों की कला, प्रस्तुतियों से जुड़ कर इनको मंच प्रदान करते हुए इनका अभिनन्दन,सम्मान कर गौरवान्वित हो सकें। वहीं दूसरी ओर अपने सामाजिक ताने–बाने से जुड़ी अपने पुरखों की सोच और अपनी संस्कृति,संस्कार की अनमोल विरासत

को भी संजोते रहें। यह भी सच है कि आज अपनी माटी में विविध क्षेत्रों की बाल,युवा प्रतिभाएं मौजूद हैं और इन सबके लिए एक सार्थक मंच की भी जरूरत है। ऐसे में अपनी कला को लेकर महोत्सव मंच ऐसे लोगों को जोड़ कर एक प्रेरक और सराहनीय कार्य करने में सफल होंगे। यह भी सच है किआज नव विकास की आपा–धापी मेंएकाग्र और संकुचित हो रही हमारी जीवनशैली के बीच बहकाव और भटकाव से दूर यही महोत्सव कुछ दिन के लिए ही सही,हम और हमारी नई पीढ़ी को अपने अतीत और वर्तमान से तार–तार जोड़ते हुए उल्लास,संवेदना,चिंतन, स्वाभिमान और बड़ों के सम्मान के प्रति प्रेरणादायक सिद्ध होंगे। हमारे समाज के सम्पन्न और समाजसेवी विचारधारा से जुड़े सम्मानित लोगों को चाहिए कि किन्हीं विशेष राजनैतिक उद्देश्यों से परे हमारी समरसता की अवधारणा को लेकर अपनी इस परम्परा को संजोए रखने के लिए आगे आएं और जमुनापार क्षेत्र में जगह जगह समय विशेष पर ऐसे कई दिवसीय आयोजन किये जाते रहें,जहां कुछ पलों के लिए हमारे समाज के विभिन्न तबकों से जुड़े लोग हर्ष उल्लास के साथ मिल–बैठकर अपने बहुमुखी विकास के प्रति एक सार्थक पहल करते हुए महोत्सव की अर्चनीय संचेतना का दीप जलाते रहें।

सम्पादकीय.....

दिल्ली का 'पुतिन' महोत्सव, वे आए और चले गए!

रशियन राष्ट्रपति पुतिन का 4 तारीख को दिल्ली में आगमन हुआ। हमेशा की तरह प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन को गले लगाया और अगले दो दिन वे पुतिन उत्सव में तल्लीन रहे। पुतिन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिल्लीभर की सड़कें बंद कर दी गईं। अमित शाह और नरेंद्र मोदी की सुरक्षा के लिए दिल्ली में पहले से ही जाम लगे रहते हैं। जब ये दोनों नेता बाहर निकलते हैं तो आधे घंटे पहले ही यातायात रोक दिया जाता है। इससे लोगों को असुविधा होती है। शाह कृष्णा मेनन रोड पर रहते हैं। इस सड़क और इसके तीनों तरफ की सड़कें यातायात के लिए बंद होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। ऐसे में पुतिन के आने से समस्या और बढ़ गई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने पहले राष्ट्रपति ट्रंप की आरती उतारी। अब ये सभी लोग 'पुतिन' की आरती उतारते नजर आए। यह तस्वीर मजेदार थी। पुतिन ६ तारीख को लौट गए। राष्ट्रपति भवन में उनके लिए भोज का आयोजन किया गया। भोज के दो दिन बाद दिल्ली के अखबारों में एक तस्वीर छपी। तस्वीर में टेंट ठेकेदार लाल गलीचे लेकर राष्ट्रपति भवन से बाहर आ रहे हैं। पुतिन के स्वागत के लिए दिल्ली में तंबूवालों से कालीन किराए पर लिए गए थे। पहली बात तो यह है कि पुतिन के स्वागत के लिए राष्ट्रपति भवन में मौजूद कालीन पर्याप्त नहीं थे। दूसरी बात, पुतिन जैसे विदेशी मेहमान जब आते हैं तो राष्ट्रपति भवन में उनके स्वागत के लिए पर्याप्त कालीन नहीं होते। पूरा दृश्य और पृष्ठभूमि सजाई जाती है। पुतिन को पता ही नहीं कि उनकी पीठ पीछे क्या हुआ और न तो राष्ट्रपति ट्रंप और न ही पुतिन भारत के संकट के समय मजबूती से खड़े रहे हैं। हर एक को भारत में अपना सामान बेचना है। राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी रक्षा सामग्री भारत के माथे फेंकनी है और पुतिन को अपना तेल बेचना है। पिछले दस वर्षों में भारत की कमर टूट चुकी है इसलिए जो भी आएगा वह भारत का शोषण करेगा। रूस कभी भारत का सबसे भरोसेमंद दोस्त हुआ करता था। उन्होंने इसे कई बार अपने कार्यों से साबित किया है और मैंने स्वयं मॉस्को में यह अनुभव किया है कि रूस में पीढ़ियां भले ही बदल गई हों, लेकिन नेहरू–गांधी और राज कपूर के प्रति उनका प्रेम कम नहीं हुआ है। रूस के कई टुकड़े हो गए। भले ही वह पहले जैसा बलशाली रूस नहीं रहा हो, लेकिन यह स्वीकार करना होगा कि वैश्विक स्तर पर रूस की भूमिका अमेरिका और चीन के बाद एक 'महाशक्ति' की है। रूस चीन के पक्ष में खड़ा है या भारत के यह अभी तक रहस्य बना हुआ जिस पर से पर्दा उठना बाकी है। रूस भारत के साथ मित्रता चाहता है, चीन को उलझाए रखने के लिए लेकिन क्या चीन को 'लाल आंख' दिखाने की हिम्मत भारतीय हुक्मरानों में है, खरा सवाल यह है। प्रधानमंत्री मोदी के भक्त उन्हें विश्वगुरु और अन्य उपाधियों से सुशोभित करते हैं। ढिंढोरा पीटा जाता है कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन भारतीय रुपया हर दिन गिर रहा है और डॉलर के मुकाबले ६० के पार पहुंच गया है। यह दुखद है। जिस देश की मुद्रा इस तरह गिर रही हो, वह देश दुनिया में गरदन उठाकर कैसे खड़ा हो सकता है?

कौवे और कबूतर

किसी जंगल में रहता था
कबूतर एक विशेष।
औरों से थोड़ा हटकर
नाम था उसका खगेश।
उसी जंगल में कौवों का भी
बसा हुआ था गांव।
सदियों से इन सबने जंगल में
जमा रखा था पांव।
कबूतरों को बड़ा गर्व था
अपनी सुंदर काया पर।
ईश्वर पर था बड़ा भरोसा
विश्वास था उसकी माया पर।
कौवों पर वो तंज कसे
तुम सब हो जाहिल और गंवार।
तुम्हे सुधारें , ईश्वर ने
दिया हमें अधिकार।
कौवों में भी एकता थी
बड़ी ही अच्छी।
सदियों से कोई हमें सताए
क्या जान हमारी सस्ती।
जंगल के संसाधन पर
अब नहीं एक का हक होगा।
एक कौम ही राज करे
अब ऐसा नहीं जुलम होगा।
बेचारे खगेश की दोस्ती
कौवों से भी रहती थी।
कौवों की कई बेटियां
संग में उसके पढ़ती थीं।
कौवों के लड़कों से भी
उसकी खूब जमती थी।
स्कूल हो या बाहर
उसकी सबसे बनती थी।
उधर कबूतरों के बच्चों की
यही एक शिकायत थी।
खगेश का व्यवहार शायद
कौम में बगावत थी।
एक रोज की बात है
हिंसा फैल गई फिर जंगल में।
रथी महारथी सब कूद पड़े
जंगल के इस दंगल में।
खगेश ने कोशिश बहुत की
कबूतरों को समझाने की।
कौवों से भी बात किया
हिंसा को रूकवाने की।
पर कहां कौन सुनता है
सबने इंकार किया।
विद्रोही कहकर कबूतरों ने
उसका अपमान किया।
प्रतिशोध चाहते कौवे कहते
हम सदियों से सताए हैं।
अच्छे – बुरे का हर नियम
कबूतरों ने बनाए हैं।
देखते ही देखते वह सुंदर जंगल
जलने लगा।
गूंगे भी बोल उठे और
लंगड़ा भी चलने लगा।
अब तक साहिष्णु थे जो कौवे
कांव–कांव रटने लगे।
अपने महापुरुषों का जयघोष
मिलकर सब करने लगे।
बेचारा खगेश आज
पहली बार अकेला था।
गैरों को क्या समझाए
अपनों से झमेला था।
मातृभूमि से नेह बहुत
जंगल छोड़ न सकता था।
तूफान तेज था बहुत
रूख उसका मोड़ न सकता था।
देखते ही देखते वह सुंदर जंगल
वीरान हो गया।
हरा–भरा गुलशन
मौन शमशान हो गया।
आखिर फिर एक समझौते पर
पहुंची दोनों कौम।
चील–बाज ने मौज किया
कौम थी दोनों मौन।

प्रभंजन त्रिपाठी
सिकंदरा प्रयागराज।

सवाल पूछना एक कला है और एआई के दौर में तो यह बेहद मददगार है!

एन. रघुरामन

अब हम फिर से अपने पहले सवाल पर लौटते हैं। क्या तुम झूठ बोल रहे हो के बजाय यह पूछिए कि क्या तुम कोई सच छिपा रहे हो? यह सवाल महंगे उत्पाद, जैसे कार आदि बेचने वाले सेल्सपर्सन को अकसर हतप्रभ कर देता है।

आप में से कई लोगों ने अपने बच्चों से यह जरूर पूछा होगा कि क्या तुम झूठ बोल रहे हो? ऐसे में सजा के डर से बच्चा यही कहेगा कि नहीं। लेकिन अगर आप उन पैरेंट्स में से हैं, जिन्होंने बच्चे के बड़े होने तक के 18 सालों में यह सवाल सैकड़ों बार दोहराया है, तो आपने सवाल पूछने की कला नहीं सीखी है। अब मैं देख सकता हूं कि आपका मन बेचौनी और जिज्ञासा से भरा हुआ है और आप जानना चाहते हैं कि अगर बच्चों से यह नहीं तो फिर क्या कहा जाए? जरा सब्र कीजिए, बताता हूं। लेकिन उससे पहले यह कहानी सुन लीजिए। एक राजा था, जिसके पास तमाम सुख–सुविधाएं थीं, लेकिन एक बड़ा दुःख भी था। उसका बेटा महज चार साल की उम्र में अंधा हो गया था। जहां उसका पूरा राज्य राजकुमार की आंखों की रोशनी लौटाने के उपाय खोजने में जुटा था, वहीं राजा, उसका परिवार और उसके गुरुओं ने राजकुमार को सिखाया था कि बुद्धिमानी से प्रश्न कैसे पूछे जाएं, ताकि वह विद्वानों से ज्यादा से ज्यादा ज्ञान प्राप्त कर सके। समय के साथ राजकुमार का झुकाव अध्यात्म की ओर हो गया। उसकी कठोर तपस्या के कारण एक दिन स्वयं भगवान उसके सामने प्रकट हुए और उससे कहा कि वे उसे एक वरदान दे सकते हैं। क्या आप अनुमान लगा सकते हैं राजकुमार ने भगवान से क्या मांगा होगा? आम तौर पर इंसान वही मांगता है, जो दूसरों की तुलना में उसके पास नहीं होता। इसलिए अगर आपको लगता है कि राजकुमार ने अपने लिए आंखों की रोशनी मांगी होगी, तो आप गलत हैं। उसने कहा, मैं इस राज्य में अपने परपोते तक के राज्याभिषेक को भी अपनी आंखों से देखने में सक्षम होना चाहता हूं। उसके प्रश्न पूछने के तरीके पर ध्यान दीजिए। एक ही वाक्य में उसने लंबा जीवन मांग लिया– इतना कि अपने परपोते के राज्याभिषेक तक जीवित रह सकेय उसने अपनी खोई हुई दृष्टि मांग ली, क्योंकि वह सभी राज्याभिषेक समारोहों को अपनी आंखों से देखना चाहता थाय उसने आक्रांताओं से अपने राज्य और प्रजा की सुरक्षा मांग लीय उसने अपने राज्याभिषेक, विवाह और परिवार की भी मांग कर ली और भगवान ने उसे सब दिया। चूंकि हम सब उन्हीं सवालों के उत्तर देते हुए बड़े हुए हैं, जो शिक्षकों ने हमसे पूछे थे, इसलिए बच्चों के मन में यह धारणा बन जाती है कि

प्रश्न पूछना उनका काम नहीं है। नतीजतन, वे अपने पैरेंट्स की मदद से स्वयं को बेहतर उत्तर देने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, ताकि अच्छे नतीजे पा सकें। लेकिन प्रश्न पूछना इसलिए एक कला है, क्योंकि यह सिर्फ जानकारी जुटाना ही नहीं है, बल्कि यह रणनीतिक पूछताछ का कौशल भी है। इसका उद्देश्य गहराई से चिंतन को प्रेरित करना, समझ विकसित करना और जिज्ञासा व सोच–समझकर की गई फ्रेमिंग के जरिए एक जुड़ाव पैदा करना है। यह साधारण 'क्या' से बढ़कर 'कैसे' और फिर 'अगर ऐसा हो तो क्या' जैसे प्रश्नों तक जाता है, ताकि हमें अंतर्दृष्टियां मिलें और हम अपने भीतर व दूसरों में विकास को प्रोत्सहित कर सकें। इस कला में निपुण होने के लिए सच्ची जिज्ञासा, ध्यान से सुनने की क्षमता, खुले प्रश्नों पर ध्यान देना, जजमेंट देने से बचना और गहरे मनन व अनुसंधान को संभव बनाने के लिए मौन को भी जगह देना आवश्यक है। चूंकि हम एआई के युग में रह रहे हैं, इसलिए आज सही प्रॉम्प्ट बेहद महत्वपूर्ण हो गया है, क्योंकि वही एआई के आउटपुट की गुणवत्ता, प्रासंगिकता और सटीकता तय करता है। एक अच्छी तरह से तैयार किया गया प्रॉम्प्ट एआई के लिए स्पष्ट मैनुअल की तरह काम करता है और उसकी पूरी क्षमता को सामने लाता है। इसके उलट अस्पष्ट प्रॉम्प्ट अकसर दिशा–पिटे, अनुपयोगी और यहां तक कि गलत नतीजों तक भी ले जाता है, जिन्हें हैलुसिनेशंस कहा जाता है। अब हम फिर से अपने पहले सवाल पर लौटते हैं। क्या तुम झूठ बोल रहे हो के बजाय यह पूछिए कि क्या तुम कोई सच छिपा रहे हो? यह सवाल महंगे उत्पाद, जैसे कार आदि बेचने वाले सेल्सपर्सन को अकसर हतप्रभ कर देता है। जब सेल्सपर्सन इसके जवाब में सपाट तरीके से नहीं कहता है, तो मैं उससे धीरे–धीरे वही सवाल दोबारा पूछता हूं और प्रश्न के निहितार्थ को स्पष्ट करता हूं।

अजूबों की समृद्ध विरासत भी है तूतनखामन के देश में

प्रेम शुक्ल

मिस्र जाना लगभग साल भर से टल रहा था। वहां जाने की सबसे बड़ी वजह तूतनखामन के मकबरे में दफन दुर्लभ वस्तुओं को देखना था। कैरो में ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम, जो लगभग 25 साल से बन रहा था, काफी देरी के बाद आखिरकार आम लोगों के लिए खुल गया। एक नवंबर 2025 को, विजिटर्स पहली बार म्यूजियम की 968,000 स्क्वेयर फीट की पूरी जगह देख पाए। यह 80,000 स्क्वेयर फीट की गैलरी है, जिसमें राजा तूतनखामन के मकबरे की सभी 5,600 दफन चीजें रखी हैं। इसकी ओपनिंग के कोई तीन हफ्ते बाद, मैं उस म्यूजियम में था। म्यूजियम के प्लान 1992 में अनाउंस किए गए थे, लेकिन निर्माण 2002 में शुरू हुआ था। आज गीजा स्थित 'ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम' दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम है। पैरिस का लूव्र म्यूजियम अब दूसरे नंबर पर आ गया। मेरे जैसे दर्शकों के लिए सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली जगह रही है, ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम। इनमें से आधे से ज्यादा चीजेंकृजिनमें मंदिर, ताबूत, सिंहासन और रथ शामिल हैं, पहले कभी दिखाई नहीं गईं। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ इजिप्टोलॉजिस्ट्स के प्रेसिडेंट तारेक तौफिक ने यहां आने से पहले मेल पर बताया था, 'मेरा आइडिया था कि पूरा मकबरा दिखाया जाए, जिसका मतलब है कि स्टोरेज में कुछ भी नहीं रहेगा, दूसरे म्यूजियम में कुछ भी नहीं रहेगा, और आपको पूरा अनुभव मिलेगा, जैसा हॉवर्ड कार्टर को सौ साल पहले मिला था।' उन्होंने कार्टर का जिक्र किया, जो ब्रिटिश इजिप्टोलॉजिस्ट थे, और जिन्होंने 1922 में तूतनखामुन का सही–सलामत मकबरा खोजा था। यहां दूसरी खास बातों में एक बड़ा एट्रियम है, जिसमें रामसेस प्प की 11 मीटर ऊंची मूर्ति है। उन 12 गैलरियों से गुजरने के वास्ते एक बड़ी स्वचालित सीढ़ी है, जिस पर चलते हुए मिस्र के कई राजवंशों की मूर्तियां और शिल्पकृतियों को आप निहार सकते हैं। सीढ़ी के सामने हॉल से विजिटर्स को एक विशाल पारदर्शी शीशे के पार गीजा के पिरामिड दिखते हैं। यहां पूरा दिन कम पड़ जाता है, और इस वास्ते 41 डॉलर देना अखरता नहीं। पैसा वसूल समझिये। लेकिन, इसकी खलिश रह जाती है, कि भारत ऐसा म्यूजियम क्यों नहीं बना सकता था? मिस्र के योजनाकारों की तरह 1।2 बिलियन डॉलर हम भी तो खर्च कर सकते थे। नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में दो लाख से ज्यादा आर्टिफैक्ट्स का विशाल कलेक्शन है, जो 5,000 से ज्यादा वर्षों की विरासत को दिखाता है। इसमें आर्कियोलॉजी, आर्ट, अभिलेख, सिक्के और भी बहुत कुछ शामिल हैं हालांकि किसी भी समय इसका छह–सात प्रतिशत ही दिखाया जाता है। गीजा के ग्रैंड म्यूजियम में इसके आधे ही पुरावशेष या शिल्पकृतियां हैं। और वह दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम है। लेकिन, क्या कैरो में ग्रैंड म्यूजियम ही सबकुछ है? गीजा के पिरामिड और स्फिंक्स प्राचीन मिस्र के वास्तुशिल्प चमत्कार हैं, जो फिरौन के मकबरों के रूप में मृत्यु के बाद जीवन में विश्वास, शाही शक्ति और दिव्य संरक्षण का प्रतीक हैं। स्फिंक्स को पिरामिडों का रक्षक माना जाता था। शक्ति और बुद्धि का संगम। ये अलग–अलग मुखाकृतियों के साथ दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, रहस्य–रोमांच बढ़ाते हैं। किंवदंती है, कि स्फिंक्स सामने वाले से सवाल करती थी, जवाब न मिलने पर उसे खा जाती थी। कुछ लोग यह भी मानते हैं, गीजा में स्थित एक विशाल चूना पत्थर की लेटी हुई स्फिंक्स की प्रतिमा संभवतः राजा खफ्रे (लगभग 2575–2465 ईसा पूर्व) के शासनकाल की है, और इसमें उनका चेहरा दर्शाया गया है। लेकिन, बहुत से लोग इसे महिला का चेहरा मानते हैं। गीजा का ग्रेट स्फिंक्स विश्व की सबसे विशाल मूर्तियों में से एक है, जिसकी लंबाई लगभग 240 फीट (73 मीटर) और ऊंचाई 66 फीट (20 मीटर) है। इसमें शेर का शरीर, और मानव सिर है, जो शाही मुकुट से सुशोभित है। यह प्रतिमा चूना पत्थर के एक ही टुकड़े से तराशी गई थी। अधिकांश विद्वान ग्रेट स्फिंक्स को चौथे राजवंश का मानते हैं, और इसका स्वामित्व खफ्रे को देते हैं। मिस्र के पिरामिड को विश्व के सात अजूबों में शामिल किया गया है। मेम्फिस क्षेत्र के प्राचीन खंडहर, जिनमें गीजा, सक्कारा , दहशूर , अबू रुवैश और अबू सीर के पिरामिड शामिल हैं, को सामूहिक रूप से 1979 में यूनेस्को विश्व विरासत घोषित किया गया है। क्या आप जानते हैं कि मिस्र में 118 से ज्यादा पिरामिड हैं? गीजा में तो सिर्फ 10 हैं। ये इमारतें, प्राचीन मिस्र के राजाओं और रानियों के लिए बड़ी कब्रों के तौर पर बनाई गई थीं, जो मरने के बाद की जिंदगी, और उनके शान को बरकरार रखनेवाले विश्वास को दिखाती हैं। गीजा का ग्रेट पिरामिड लगभग 2580 ईसा पूर्व में फिरौन खुफू के लिए बनाया गया, यह मिस्र के पिरामिडों में सबसे बड़ा, और सबसे मशहूर है। यह 481 फीट ऊंचा खुफू पिरामिड प्राचीन दुनिया का एकमात्र बचा हुआ अजूबा है। यहां दूसरे नंबर पर 'खाफ्रे का पिरामिड' है। खुफू के बेटे फिरौन खाफ्रे के लिए बनाया गया, यह पिरामिड महान पिरामिड से थोड़ा छोटा है, लेकिन यह इसलिए खास है, क्योंकि इसके ऊपर अभी भी इसकी असली चूना पत्थर की कुछ परत बची हुई है। तीसरा है 'मेनकाउरे का पिरामिड'। गीजा के तीन पिरामिडों में सबसे छोटा, यह फिरौन मेनकाउरे, खाफ्रे के उत्तराधिकारी के लिए बनाया गया था। अपने आकार के बावजूद, इसमें एक सुंदर और जटिल डिजाइन है। खुफू, खफ्रे, और मेनकाउरे, तीनों पिरामिडों को आंतरिक और बाहरी हिस्सों को समय–समय पर लूटा गया था। कब्रों में मूल रूप से रखी गई वस्तुएं गायब हैं। अलग–अलग कालखंडों में कब्रों से लूट, और प्रकृति की मार ने पिरामिडों से प्लास्टर की परतें झाड़ दी हैं। इसके अलावा, पास में ही छोटे–छोटे सात पिरामिड भी यहां मुझे (लेखक को) दिखे, जिनका उपयोग शाही परिवार के अन्य सदस्यों व प्रशासकों के दफन के लिए किया गया था। पिरामिडों के बावजूद कैरो प्राचीन फराओकालीन शहर नहीं है। आज का कैरो 640 ईस्वी में अरब विजेताओं और इस्लामी धर्म के आगमन के बाद से विकसित हुआ। इजिप्टोलॉजिस्ट और पत्रकार जैक शेनकर बताते हैं, कि केवल दो प्रतिशत आबादी ही काहिरा के उन क्षेत्रों में रहती है, जो 1798 में नेपोलियन के आक्रमण के समय आबाद हुए थे। यह भी कि 640 ईस्वी में अरबों द्वारा मिस्र पर विजय प्राप्त करने से पहले, आधुनिक काहिरा के कुछ हिस्सों में रोमन किलेबंदी मौजूद थी। मिस्र की कोई दस फीसद ईसाई आबादी कॉप्ट समुदाय की है। ईसाई धर्म, पहली शताब्दी में मिस्र पहुंचा था। अम्र इब्न अल–अस के नेतृत्व में एक अरब सेना ने 640 ईस्वी में अलेक्जेंड्रिया पर कब्जा कर लिया, और वहां इस्लाम धर्म की शुरुआत की। रोमन शासन के अंत के बाद यह इलाका रशीदुन खिलाफत का हिस्सा बन गया, जिसने बाद में ने 641 मिस्र की राजधानी के रूप में फुस्तात (काहिरा) की स्थापना की, और वहां पहली मस्जिद बनाई। हालांकि, उस समय अलेक्जेंड्रिया, मिस्र की राजधानी थी। दरअसल, कैरो को मिस्र की वास्तविक राजधानी बनने में सदियां लग गईं। 876 से 879 ईस्वी के बीच अहमद इब्न तुलुन द्वारा निर्मित भव्य मस्जिद कैरो का सबसे पुराना कार्यरत इस्लामी स्मारक है। दसवीं शताब्दी तक, फातिमिड्स ने मिस्र के शासकों के रूप में अब्बासिड्स और तुलुनिड्स का स्थान ले लिया। फातिमियों ने 969 में अल–काहिरा की स्थापना की, जो 'काहिरा' शब्द की उत्पत्ति है। सदियों तक, अल–कघहिरा फुस्तात से एक अलग बस्ती बनी। बर्कले विश्वविद्यालय में आर्किटेक्ट और अर्बन प्लानिंग हिस्ट्री पढ़ानेवाले नेजर अलसयाद का कहना है, कि उस दौर का कोई पुरातात्विक निशान नहीं बचा है। अल अजहर काहिरा की सबसे पुरानी इमारतों में से एक है, जिसकी स्थापना 970 ईस्वी में फातिमिदों द्वारा की गई थी। अल अजहर केवल मस्जिद नहीं है, फेज स्थित कघ्राविियिन विश्वविद्यालय के बाद यह दुनिया का दूसरा सबसे प्राचीन विश्वविद्यालय है, जो सुन्नी इस्लाम का वैचारिक मुख्यालय भी है।

शीत ऋतु
सर्द मौसम में मानवीय संवेदनाएँ

अंजलि श्रीवास्तव

शीत ऋतु हर वर्ष की तरह इस बार भी अपने पूरे प्रभाव के साथ उपस्थित है, लेकिन उसका रूप पहले जैसा नहीं रह गया है। सुबह की धुंध, देर से निकली धूप, हवा की कम होती नमी और अचानक बढ़ती ठंड सब मिलकर मौसम को कहीं सुहावना तो कहीं दुष्कर बना रहे हैं।

सर्दियाँ हमेशा से भारतीय ग्रामीण जीवन का हिस्सा रही हैं। गांव में जलने वाले अलाव की गंध, तिल–गुड़ के पकवान, सरसों के तेल की मालिश और खेतों में खिली सरसों की फसल, यह सब गर्माहट भरे दृश्य देखने को मिलते हैं।

देखा जाए तो आजकल की शीत ऋतु केवल सुखद अनुभूति तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक जीवन की कई चुनौतियां भी अपने साथ लेकर आई है।

अब ठंड में सबसे बड़ी समस्या प्रदूषण और स्मॉग के रूप में उभरी है। शहरों का आकाश धुंध भरा, धूप कमजोर लगती है और हवा भारी। सर्दी और प्रदूषण के इस मेल से बच्चों और बुजुर्गों में खाँसी, साँस की दिक्कतें और वायरल संक्रमण तेजी से बढ़ रहे हैं।

डॉक्टरों ने इसे संवेदनशील मौसम घोषित किया है और इससे सतर्क रहने की भी सलाह देते हैं।

दूसरी ओर ग्रामीण भारत में शीत ऋतु को एक अवसर की तरह देखते हैं। कहीं गेहूं–चना की बुवाई पूरी हो गई है, कहीं किसान तड़के उठ खेतों की रखवाली कर रहे हैं। इनके लिए यह मौसम भले ही ठंडी का हो लेकिन मेहनत की एक गर्मी छुपी हुई है।

सर्दियां सामाजिक असमानताओं को भी उजागर करती है। जहां कुछ लोग हीटर और गर्म कपड़ों में सुरक्षित हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क के किनारे रहने वाले लोग ठंड से जूझ रहे हैं। ऐसे समय पर मानवीय संवेदनाएँ दोगुनी आवश्यक हो जाती है। इस मौसम में एक कंबल या एक कप चाय या आश्रय गृह का इंतजाम बेसहारों की जरूरत है। सर्दी के सितम को देखते हुए मानवीय संवेदनाएँ अनजाने इंसानी रिश्तों में गर्माहट का एहसास करा देती हैं। हम इन संवेदनाओं से तादात्म्य बनाए रखें तो सर्द मौसम भी खुशनुमा लगने लगेगा।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

जैसी जिसकी भावना, वैसी उसकी सोच।
निश्चल मन जिसका रहे, करता कब संकोच।।
करता कब संकोच, बात वो सच्ची करता।
सच का देता साथ, नहीं दुष्टों से डरता।।
कहती रचना आज, सूरत हो चाहे कैसी।
दिखते मन के भाव , सोच यह होती जैसी।।

लहरें ज्यों देतीं दिशा, बहे नदी में नाव।
त्यों सूरत भी सब कहे, मन के सारे भाव।।
मन के सारे भाव, अधम हो या फिर उत्तम।
चुनता हर जन राह, यही मिथ्या या सत्यम।।
कहती रचना आज, तमस के बादल ठहरें।
अच्छी रख ले सोच, नाव भटकाएँ लहरें।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

धर भाइयों का कमाल, भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर ले जाने वाले धुरंधर

> इस फिल्म ने चार अंतर्राष्ट्रीय एक्शन डायरेक्टर्स को जोड़ा एजाज गुलाब (भारत का देसी एक्शन), सी-यंग ओह (कोरिया का नजदीकी लड़ाई का एक्शन), यानिक बेन (यूरोप का पार्कौर), और रमाजान बुलट (तुर्की का टैक्टिकल एक्शन)कृइस तरह एक्शन कोरियोग्राफी बनी जो दुनिया के सबसे अच्छे एक्शन को टक्कर देती है।

फिल्म धुरंधर ने दुनिया भर में 374 करोड़ कमाए और उत्तरी अमेरिका में +3 मिलियन (करीब 25 करोड़) का आंकड़ा पार किया। इस कामयाबी के बाद, भाइयों लोकेश धर और आदित्य धर ने यह पक्का कर दिया है कि बी62 स्टूडियोज हॉलीवुड के लेवल से काम कर रहा है वे उसके पीछे नहीं भाग रहे हैं, बल्कि सीधे टक्कर दे रहे हैं। आदित्य की कहानियाँ शानदार होती हैं (वह खुद लिखकर–बनाते हैं) उनकी फिल्म उरीरू द सर्जिकल स्ट्राइक ने सिर्फ +3 मिलियन के बजट पर +50 मिलियन कमाए और उन्हें सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का नेशनल फिल्म अवार्ड भी मिला। वहीं, लोकेश, यूएस फिल्म इंडस्ट्री के 20 सालों के अनुभव के साथ, पूरी दुनिया के हिसाब से फिल्म बनाने का तरीका और बड़ी–बड़ी फिल्मों (फ्रैंचाइजी) की प्लानिंग लाते हैं।उन्होंने 2019 में मिलकर यह स्टूडियो शुरू किया और इसका नाम अपने बचपन के दिल्ली के घर के पते पर रखा, जहाँ उन्हें सिनेमा से प्यार हुआ था। धुरंधर की शूटिंग पार्ट 2 के साथ एक के बाद एक की गई यह पहली बॉलीवुड फिल्म है जिसने किल बिल, लॉर्ड ऑफ द रिंग्स और एवेंजर्स जैसी फिल्मों का तरीका अपनाया। पार्ट 2 मार्च 2026 में रिलीज होगा, जो पहले से ही बनकर तैयार है और उस पर बाकी काम चल रहा है। इस फिल्म ने चार अंतर्राष्ट्रीय एक्शन डायरेक्टर्स को जोड़ा एजाज गुलाब (भारत का देसी एक्शन), सी–यंग ओह (कोरिया का नजदीकी लड़ाई का एक्शन), यानिक बेन (यूरोप का पार्कौर), और रमाजान बुलट (तुर्की का टैक्टिकल एक्शन)कृइस तरह एक्शन कोरियोग्राफी बनी जो दुनिया के सबसे अच्छे एक्शन को टक्कर देती है। बी62 स्टूडियोज की फिल्मों की लिस्ट उनकी रेंज दिखाती है, उरी (दुनिया भर में 3.5 बिलियन), आर्टिकल 370 (+2.4 मिलियन के बजट पर +10.2 मिलियन), साथ ही बारामूला, धूम धाम, और ओटीटी पर हिट हुई फ्लेम्स और कॉलेज रोमांस। स्टूडियो, पूर्वी एशियाई सहयोगों के लिए थाईलैंड, साउथ कोरिया और इंडोनेशिया के फिल्म निर्माताओं से भी बात कर रहा है। जैसे ए24 ने अच्छी–खासी, अलग तरह की फिल्में बनाकर अपनी पहचान बनाई, वैसे ही बी62 स्टूडियोज शानदार और बेहतरीन एक्शन वाली फिल्में बनाने के लिए भारत का स्टूडियो बन गया है। धर भाइयों ने सिर्फ हॉलीवुड को भारत नहीं लाया है उन्होंने एक ऐसा स्टूडियो बनाया है जो भारतीय कहानियों की भावना को बचाए रखता है, लेकिन फिल्म बनाने का काम दुनिया के बेहतरीन तकनीकी स्तर पर करता है। ये ऐसी फिल्में हैं जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करती हैं। विश्वास पर खड़ी फ्रैंचाइजी। फिल्म बनाने में ऐसी जबरदस्त पकड़ जो नए रिकॉर्ड बना रही है। बी62 स्टूडियोज हॉलीवुड को कड़ी टक्कर दे रहा है। और ये तो अभी बस शुरुआत है। अब तक, धुरंधर ने भारत में 306.40 करोड़ की शुद्ध कमाई (टैक्स काटकर) की है। धुरंधर एक जबरदस्त एक्शन–थ्रिलर है जिसे आदित्य धर ने लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है, और ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने सह–निर्मित किया है। इसमें रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल और सारा अर्जुन जैसे बड़े कलाकार हैं। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, यह बी62 स्टूडियोज की फिल्म है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर जोरदार ओपनिंग ली और अभी भी आगे बढ़ रही है।

शाका लाका बूम बूम फेम किंशुक वैद्य ने सुनाई खुशखबरी, शादी के एक साल बाद प्रेग्नेंट है पत्नी दीक्षा नागपाल

साल 2025 महज कुछ दिनों में ही सबको अलविदा कहने को है। इसी बीच फेमस टीवी एक्टर किंशुक वैद्य ने अपने फैंस को खुशखबरी दी है। साल 2000 में आए फैंटेसी शो श्शाका लाका बूम बूमश में श्संजूश का रोल निभाने वाले किंशुक जल्द ही पापा बनने जा रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बेहद ही खूबसूरती के साथ पेरेंट्स बनने की घोषणा की। किंशुक वैद्य ने पत्नी दीक्षा नागपाल के साथ इंस्टाग्राम पर एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में दोनों बच्चे के जूते को हाथों में पकड़े नजर आ रहे हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा–जीवन के एक नए चरण में कदम रखते हुए३ हमारी प्रेम कहानी और भी मधुर हो गई है.. रुबेबी जल्द आ रहा है रुमां बनने वाली हूं रुपिता बनने वाला हूं। जैसे ही किंशुक का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर आया, इस पर फैंस और सेलेब्स के कमेंट्स की बाढ़ आ गई। हर कोई कमेंट कर कपल को बधाई दे रहा है। बता दें, किंशुक वैद्य ने अगस्त 2024 में दीक्षा नागपाल संग सगाई की थी और फिर इसके कुछ महीनों बाद यानि नवंबर, 2024 में कपल ने सात फेरे ले लिए थे। अब ये कपल शादी के एक साल बाद पेरेंट्स बनने को लेकर बेहद एक्साइटेड है।

स्टाइलिश लुक में पति संग मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई अनुष्का शर्मा, विराट ने फैंस को ऑटोग्राफ देकर जीत लिया दिल

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली न सिर्फ बॉलीवुड और खेल जगत के चहेते कपल हैं, बल्कि वो पूरी दुनिया के ही पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दोनों हमेशा ही अपनी लविंग केमिस्ट्री से लोगों का दिल जीतते हैं। वहीं, हाल ही में इस पावर कपल को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां दोनों अपनी उपस्थिति से लोगों का ध्यान खींचते नजर आए। इतना ही नहीं इस दौरान विराट ने फैन को अपने ऑटोग्राफ भी दिए। एयरपोर्ट पर विराट और अनुष्का दोनों ही बेहद कैजुअल और कंफर्टेबल अंदाज में नजर आए। विराट कोहली ने व्हाइट पैंट के साथ फुल स्लीव्स टी–शर्ट पहनी और आंखों पर गॉगल्स लगाए हुए काफी हैंडसम लगे। उनका सिंपल लेकिन क्लासी लुक फैंस को खूब पसंद आया। वहीं दूसरी ओर, अनुष्का शर्मा भी डेनिम और शर्ट के साथ गॉगल्स लगाए नजर आईं। उनका यह सादा लेकिन स्टाइलिश अंदाज सोशल मीडिया यूजर्स को काफी भा रहा है। बिना किसी तामझाम के अनुष्का का यह एयरपोर्ट लुक एक बार फिर ट्रेंड करने लगा है। एयरपोर्ट पर दोनों ने मीडिया को पोज देने के बजाय सादगी से आगे बढ़ना पसंद किया, जो फैंस को और भी ज्यादा पसंद आया। इस दौरान विराट कोहली का दिल जीत लेने वाला अंदाज भी देखने को मिला। एयरपोर्ट पर मौजूद एक फैन को उन्होंने रुककर ऑटोग्राफ दिया, जिससे वहां मौजूद लोग और भी उत्साहित नजर आए। जैसे ही विराट और अनुष्का की एयरपोर्ट तस्वीरें सामने आईं, वे सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। फैंस इन तस्वीरों पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं और कपल की केमिस्ट्री के साथ–साथ उनके स्टाइल की भी खूब तारीफ कर रहे हैं।

करीना कपूर खान, अजय देवगन और अन्य ने लियोनेल मेस्सी से मुलाकात की

लियोनेल मेसी अभी अपने ळव्।ज् इंडिया टूर 2025 के तहत भारत में हैं। कोलकाता में शेड्यूल में निराशाजनक बदलाव और हैदराबाद में शानदार स्वागत के बाद, अर्जेंटीना के स्टार अब मुंबई पहुँच गए हैं, जहाँ फैंस उनका गर्मजोशी से स्वागत कर रहे हैं। मेसी ने मशहूर ताज महल होटल में चेक–इन किया है, जिससे उनके दौरे को लेकर चर्चा और बढ़ गई है। अभिनेत्री करीना कपूर खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ ने अर्जेंटीना के फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी से मुलाकात की। खिलाड़ी वर्तमान में अपने 'जीओएटी भारत दौरे 2025' के लिए आए हुए हैं। एक्ट्रेस करीना कपूर खान के लिए रविवार यादगार रहा, क्योंकि उन्होंने और उनके बेटों, तैमूर अली खान और जेह अली खान ने मुंबई में अर्जेंटीना के फुटबॉल आइकन लियोनेल मेसी से मुलाकात की। यह मुलाकात रविवार, 14 दिसंबर को मेसी के भारत दौरे के दौरान हुई। करीना कपूर खान ने इस खास पल से पहले अपने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें फैंस को लियोनेल मेस्सी से मिलने को लेकर परिवार की एक्साइटमेंट की झलक मिली। फोटो में करीना फुटबॉल लेजेंड से मिलने से कुछ देर पहले अपने बेटों को एक कमरे से बाहर ले जाती दिख रही हैं। मेस्सी 13 दिसंबर को भारत पहुंचे और उसी दिन अपने दौरे के तहत कोलकाता गए। जीओएटी दौरे के दौरान वह चार शहरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली में कार्यक्रमों में शामिल हुए। मेस्सी 14 दिसंबर को मुंबई में थे। इंटरनेट पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे वीडियो और तस्वीरों में करीना कपूर खान, देवगन, श्रॉफ, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा और शाहिद कपूर फुटबॉल स्टार के साथ बातचीत करते नजर आ रहे हैं। मेस्सी के कोलकाता दौरे के दौरान, बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान अपने सबसे छोटे बेटे अबराम खान के साथ खिलाड़ी से मिलने पहुंचे। मेस्सी अपने लंबे समय के स्ट्राइक पार्टनर लुइस सुआरेज और अर्जेंटीना के साथी खिलाड़ी रोड्रिगो डी पॉल के साथ भारत पहुंचे।

दिवंगत पति धर्मेंद्र की यादों से उबर नहीं पा रहीं हेमा मालिनी, शेयर किया ट्रिब्यूट वीडियो

दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र को इस दुनिया से गुजरे करीब 20 दिन हो गए हैं, लेकिन उनकी दूसरी पत्नी एक्ट्रेस हेमा मालिनी उनकी यादों से बाहर नहीं निकल पा रही हैं। हाल ही में 11 दिसंबर को दिल्ली में उन्होंने दिवंगत पति को श्रद्धांजलि देने के लिए प्रेयर मीट भी होस्ट की थी, जिसमें कई सेलब्स शामिल हुए थे। वहीं, हाल ही में फिर हेमा ने धर्मेंद्र की याद में एक ट्रिब्यूट वीडियो शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हेमा मालिनी अपने इंस्टाग्राम पर जो वीडियो शेयर किया है, उसमें धर्मेंद्र के जवानी के दिनों की झलकियां देखने को मिल रही है। इस वीडियो को पोस्ट कर एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा– 'धरम जी को खास श्रद्धांजलि देते हुए उनकी सदाबहार लोकप्रियता, करिश्मा, जबरदस्त प्रतिभा और उनकी फिल्मों में उनकी दमदार मौजूदगी को दिखाया गया है। इन सीन्स को मैंने धरम जी को दिल्ली और मथुरा में श्रद्धांजलि देने के लिए तैयार किए थे।'बता दें, बॉलीवुड के ही–मैन धर्मेंद्र का 24 नवंबर को 89 की उम्र में निधन हो गया था, जिसके बाद से पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई थी। इसके बाद परिवारों ने धर्मेंद्र की 2 प्रेयर मीट रखी। एक प्रेयर मीट 27 नवंबर को उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के बेटे सनी देओल और बॉबी देओल ने आयोजित की। हालांकि, इस प्रेयर मीट में हेमा मालिनी और उनकी बेटियां शामिल नहीं हुई थीं। वहीं इसके बाद हेमा ने धर्मेंद्र की दूसरी प्रेयर मीट दिल्ली में रखी, जिसमें कंगना रनौत, रंजीत, गृहमंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा शामिल हुए थे।

विंटर में वेस्टर्न लुक को शानदार बनाने के लिए पहनें ये बूट्स,एक बार डिजाइंस देख लिए तो तुरंत खरीदेंगे

फैशन के मामले में हम सभी को काफी स्टाइलिश दिखना एक अलग ही कला है। ऐसे में जब आपको लुक क्रिएट करना हो, तो हम अक्सर आउटफिट और मेकअप पर ध्यान देते हैं, जिससे आप खूबसूरत नजर आएं। विंटर में ज्यादातर लड़कियां वेस्टर्न आउटफिट के साथ सबसे ज्यादा बूट्स को जरुर पहनती हैं। जिससे आपका लुक भी काफी कमाल का लगता है। आप भी बूट्स के अलग–अलग डिजाइंस को ट्राई करके सुंदर नजर आ सकती हैं। इस लेख में हम आपको किस तरह के बूट्स को वियर कर सकते हैं, आपको बताते हैं।

प्रिंटेड पैटर्न डिजाइन बूट्स

अगर आप जींस या लॉन्ग डेनिम स्कर्ट पहन रही हैं, तो ऐसे में इस तरह के बूट्स डिजाइंस आपके लुक के साथ खूब जंचेंगे। मार्केट में बूट्स के कई स्टाइल आसानी से मिल जाते हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद का चुनाव कर सकती हैं। सही बूट्स पहनने से आपका लुक और भी स्टाइलिश व आकर्षक दिखेगा। खरीदते समय पैरों के साइज के साथ–साथ यह भी ध्यान रखें कि आपको हील्स चाहिए या फ्लैट, ताकि आपका ओवरऑल लुक परफेक्ट नजर आए।

लॉन्ग बूट्स करें स्टाइल

सर्दियों के दौरान आपको शॉर्ट स्कर्ट या वन पीस ड्रेस पहन रही हैं, तो ऐसे में आप लॉन्ग स्कर्ट को वियर कर सकते हैं। स्कर्ट पर बूट्स पहनने के बाद स्टाइलिश दिख सकते हैं और लुक भी बोल्ड नजर आता है। इसलिए आप लॉन्ग बूट्स को स्टाइल कर सकती है। आपको वेलवेट और लेदर दोनों ही तरह से आपको मिल जाएंगे। अपनी ड्रेस के कलर के हिसाब से आप बूट्स को खरीद सकती हैं। इसे आप ऑनलाइन या ऑफलाइन भी खरीद सकती हैं।

लेस डिजाइन वाले बूट्स करें स्टाइल

आजकल लेस डिजाइन वाले बूट्स काफी ट्रेड्स में चल रहे हैं। इस तरह के बूट्स पहनने के बाद लुक एकदम मस्त लगता हैं। ऐसे में इसे आप जींस से लेकर स्कर्ट या किसी ड्रेस के साथ आसानी से पियर कर सकती हैं। इस तरह के बूट्स आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन स्टोर से ले सकती हैं। यह बूट्स आपके लुक को शानदार बना देंगे।

सुबह उठते ही सिर में तेज दर्द क्यों होता है? एक्सपर्ट्स से जानिए इसके कारण

कई लोगों को सुबह नींद खुलते ही सिर में भारीपन या तेज दर्द महसूस होता है। अक्सर लोग इसे हल्के में ले लेते हैं, लेकिन अगर यह समस्या रोज या बार–बार हो रही है, तो यह शरीर में किसी गड़बड़ी का संकेत हो सकती है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सुबह होने वाला सिर दर्द कई वजहों से हो सकता है, जिनमें नींद की कमी, तनाव, माइग्रेन, डिहाइड्रेशन और स्लीप एपनिया शामिल हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब हम नींद से जागते हैं, तो उस समय दिमाग ज्यादा संवेदनशील हो जाता है। इसी वजह से हल्का सा असंतुलन भी सिर दर्द के रूप में महसूस होने लगता है। आइए जानते हैं सुबह सिर दर्द होने के मुख्य कारण क्या हैं।

नींद की कमी या खराब नींद

अगर आप रात में पूरी नींद नहीं लेते, बार–बार नींद टूटती है या देर रात तक मोबाइल और स्क्रीन देखते रहते हैं, तो इसका सीधा असर सुबह के सिर दर्द पर पड़ता है। नींद पूरी न होने से दिमाग पर दबाव बढ़ता है और सुबह उठते ही दर्द शुरू हो सकता है।

आखिर क्यों होती है सिर के अगले हिस्से में दर्द? ये कारण हो सकते हैं जिम्मेदार

तनाव और मानसिक दबाव

ज्यादा तनाव लेने से शरीर की मांसपेशियां, खासकर गर्दन और कंधों की मांसपेशियां, सख्त हो जाती हैं। इससे ब्लड सर्कुलेशन प्रभावित होता है और सुबह उठते ही टेंशन–टाइप सिर दर्द होने लगता है।

माइग्रेन की समस्या

जिन लोगों को माइग्रेन की शिकायत रहती है, उन्हें सुबह सिर दर्द होना आम बात है। नींद की कमी, तेज रोशनी, मौसम में बदलाव या खाली पेट सोना माइग्रेन को ट्रिगर कर सकता है, जिससे सुबह तेज दर्द महसूस होता है।

स्लीप एपनिया

स्लीप एपनिया एक ऐसी समस्या है जिसमें सोते समय सांस बार–बार रुकती है। इससे शरीर और दिमाग तक पूरी ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। इसका असर सुबह उठते ही तेज सिर दर्द, चक्कर आना और सिर में भारीपन के रूप में दिख सकता है। लगातार खर्राटे आना भी इसका संकेत हो सकता है।

डिहाइड्रेशन (पानी की कमी)

अगर रात में शरीर को पर्याप्त पानी नहीं मिलता, तो शरीर में फ्लूड लेवल कम हो जाता है। इससे ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं और दिमाग तक सही मात्रा में ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती, जिससे सुबह सिर दर्द शुरू हो सकता है।

शराब या कैफीन का असर

रात में शराब पीने या जरूरत से ज्यादा चाय–कॉफी पीने से नींद ठीक से नहीं आती। वहीं, जो लोग रोज कैफीन लेते हैं और अचानक इसे बंद कर देते हैं, उन्हें भी सुबह सिर दर्द की समस्या हो सकती है।

अगर रोज सुबह सिर दर्द हो तो क्या करें?

एक्सपर्ट्स की सलाह है कि अगर आपको हफ्ते में कई बार सुबह सिर दर्द होता है, दर्द बहुत तेज होता है या इसके साथ चक्कर आना, सांस लेने में परेशानी या धुंधला दिखाई देना जैसे लक्षण भी हों, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

सुबह के सिर दर्द से बचने के लिए ये आदतें अपनाएं

रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें। दिन भर और रात में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। सोने से पहले चाय, कॉफी और शराब से बचें। शांत और आरामदायक नींद का माहौल बनाएं। इन छोटी–छोटी बातों का ध्यान रखकर आप सुबह होने वाले सिर दर्द से काफी हद तक राहत पा सकते हैं।

सेहत के नाम पर रोज खा रहे हैं चिया सीड्स ? फायदे नहीं, हो सकता है बड़ा नुकसान

आजकल फिटनेस और हेल्दी लाइफस्टाइल के नाम पर चिया सीड्स तेजी से लोकप्रिय हो गए हैं। जिम जाने वाले लोग, फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट इन्हें रोजाना डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। स्मूदी, दही, ओट्स, प्रोटीन बार और मिठाइयों तक में चिया सीड्स का इस्तेमाल होने लगा है। हालांकि ये बीज सेहत के लिए फायदेमंद हैं, लेकिन गलत तरीके से खाने पर यही फायदे नुकसान में बदल सकते हैं।

चिया सीड्स क्या होते हैं?

चिया सीड्स छोटे–छोटे काले रंग के बीज होते हैं, जो सअपंीपेचंदपबं नाम के पौधे से मिलते हैं। इनका इस्तेमाल सदियों से मिडिल अमेरिका में होता आ रहा है। साल 2019 की एक स्टडी के अनुसार, एजटेक और माया सभ्यताओं में इन बीजों का उपयोग औषधीय और सौंदर्य से जुड़ी चीजों में किया जाता था।

चिया सीड्स इतने लोकप्रिय क्यों हैं?

चिया सीड्स पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें ओमेगा–3 फैटी एसिड, पॉलीअनसैचुरेटेड फैट, भरपूर फाइबर, अच्छी मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और जरूरी मिनरल पाए जाते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स शरीर को अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं, जिस वजह से इन्हें सुपरफूड भी कहा जाता है।

पोषण की ताकत (यूएसडीए के अनुसार)

यूएसडीए के मुताबिक, 2 टेबलस्पून यानी करीब 28 ग्राम चिया सीड्स में 138 कैलोरी होती हैं। इसमें लगभग 4.7 ग्राम प्रोटीन, 8.7 ग्राम फैट (जिसमें 5 ग्राम ओमेगा–3 फैटी एसिड), 12.3 ग्राम कार्बोहाइड्रेट और 10.6 ग्राम फाइबर होता है। साथ ही कैल्शियम, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस और विटामिन बी भी अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं।

सेहत को मिलने वाले फायदे

2023 में प्रकाशित एक स्टडी के अनुसार, चिया सीड्स दिल की सेहत सुधारने, कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। इनमें मौजूद फाइबर टाइप–2 डायबिटीज के खतरे को कम करने और पेट से जुड़ी कई समस्याओं में राहत देने में सहायक माना जाता है।

गलत तरीके से खाने पर क्या खतरा है?

हार्वर्ड और स्टैनफोर्ड से प्रशिक्षित गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. सौरभ सेठी के अनुसार, अगर चिया सीड्स को सूखा निगल लिया जाए और बाद में पानी पिया जाए, तो ये बीज गले या खाने की नली में फूल सकते हैं। इससे ये वहीं अटक जाते हैं और सांस लेने या निगलने में गंभीर परेशानी पैदा कर सकते हैं।

एक डरावना मामला

एक मामले में 39 साल के एक व्यक्ति ने एक चम्मच सूखे चिया सीड्स पानी के साथ निगल लिए थे। कुछ ही समय में बीज गले में फैल गए और सांस लेने का रास्ता ब्लॉक होने लगा। हालात इतने बिगड़ गए कि डॉक्टरों को एंडोस्कोपी की मदद से बीज निकालने पड़े। खासतौर पर जिन लोगों को पहले से निगलने या पेट से जुड़ी समस्या होती है, उनके लिए खतरा ज्यादा रहता है।

चिया सीड्स खाने का सही तरीका

डॉक्टरों का कहना है कि चिया सीड्स को कभी भी सूखा नहीं खाना चाहिए। इन्हें कम से कम 30 मिनट तक पानी में भिगोना जरूरी है ताकि ये पहले ही फूल जाएं। सबसे बेहतर तरीका है कि चिया सीड्स को रातभर पानी में भिगोकर रखा जाए और सुबह सेवन किया जाए।

कैसे करें डाइट में शामिल?

भिगोए हुए चिया सीड्स को दही, ओट्स, स्मूदी, फल शेक या सलाद में मिलाकर खाया जा सकता है। इससे इनके सभी फायदे सुरक्षित तरीके से मिलते हैं और किसी तरह के नुकसान का खतरा भी कम हो जाता है। चिया सीड्स सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हैं, लेकिन सही तरीका और सही मात्रा अपनाना बहुत जरूरी है। गलत तरीके से सेवन करने पर ये गंभीर समस्या पैदा कर सकते हैं। इसलिए फिट रहने के लिए चिया सीड्स जरूर खाएं, लेकिन समझदारी के साथ।

विंटर में ड्राई स्किन पर मॉइश्चराइजर लगाएं या क्रीम, कौन हैं सबसे बेहतरीन?

सर्दियो के मौसम में सबसे ज्यादा ड्राई स्किन की समस्या परेशान करती है। इस मौसम में ठंडी हवाएं त्वचा की नमी छीन लेती है। यही कारण है कि हमारी स्किन ड्राई, बेजान और फटी–फटी सी लगती है। अगर आप छुटकारा पाना चाहते हैं तो मॉइश्चराइजर या क्रीम लगा सकते हैं। लेकिन विंटर में ड्राई स्किन के लिए दोनों में सबसे ज्यादा बेस्ट कौन है? आप भी कन्फ्यूज है तो जानिए सर्दियों में ड्राई स्किन के लिए मॉइश्चराइजर लगाएं या क्रीम।

मॉइश्चराइजर क्या करता है?

मॉइश्चराइजर रोजाना इस्तेमाल के लिए उपयुक्त होता है। यह त्वचा को गहराई से हाइड्रेट करता है और उसकी नमी को लंबे समय तक बनाए रखने में मदद करता है। इसे दिन में किसी भी समय लगाया जा सकता है। मेकअप करने से पहले लगाने पर भी यह त्वचा को स्मूद बनाता है। आमतौर पर मॉइश्चराइज़र में ग्लिसरीन, हायलूरोनिक एसिड और एलोवेरा जैसे तत्व होते हैं, जो स्किन की नमी को लॉक करके उसे मुलायम और स्वस्थ रखते हैं।

किसके लिए सही है?

– ड्राई स्किन वालों के लिए अच्छा है।
– ऑफिस जाने वालों के लिए।
– उन जगहों पर जहां कड़ाके की ठंड नहीं होती है।

क्रीम क्या करती है?

क्रीम मॉइश्चराइजर से ज्यादा ही हैवी होती है। यह स्किन पर एक मोटी लेयर बनाती है। इसके साथ ही नमी को लंबे समय तक के लिए लॉक करती है। यदि स्किन बहुत ज्यादा ड्राई है या फिर फटी–फटी सी महसूस होती है, तो क्रीम बेस्ट ऑप्शन है। क्रीम स्किन को शुष्क हवाओं से बचाने में मदद करती है।

किसके लिए सही है?

– जिन लोगों की बहुत ज्यादा ड्राई या खुजली वाली स्किन है।
– रात में सोने से पहले
– जिनकी स्किन ठंड में जल्दी फटने लगती है।

मॉइश्चराइजर या क्रीम लगाएं?

यदि आपकी स्किन कम ड्राई है तो मॉइश्चराजर सही रहेगा। यदि स्किन ज्यादा ही ड्राई, खिंची–खिंची और और खुजली वाली है, यह लोग क्रीम लगाएं। दिन में लाइट प्रोडक्ट और रात में थोड़ा भारी प्रोडक्ट लगाया जाता है।

कैसे इस्तेमाल करें

– सबसे पहले आप चेहरे को धोने के दो मिनट के अंदर मॉइश्चराइजर या क्रीम लगाएं।
– सर्दियों में ज्यादा ही गर्म पानी से स्नान न करें।
– दिन में दो बार स्किन जरुर मॉइश्चराइज करें।

संक्षिप्त

कोरोना रेमेडीज के शेयर आईपीओ प्राइस से 38फीसदी प्रीमियम पर लिस्ट हुए, मार्केट में ज़बरदस्त शुरुआत हुई

कोरोना रेमेडीज़ ने स्टॉक मार्केट में शानदार शुरुआत की और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (छैम्) पर अपने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (प्च्ब्) प्राइस से 38 प्रतिशत से ज़्यादा प्रीमियम पर लिस्ट हुई। यह सब 8–10 दिसंबर के बीच प्राइमरी मार्केट में 137.04 गुना भारी सब्सक्रिप्शन के बाद हुआ।

8 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सूचीबद्ध

दवा कंपनी कोरोना रेमेडीज का शेयर अपने निर्गम मूल्य 1062 रुपये के मुकाबले 38 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर शेयर ने 1,452 रुपये पर शुरुआत की जो निर्गम मूल्य से 36.72 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता हैं। बाद में यह 41.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,499 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 38.41 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,470 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 8,996.65 करोड़ रुपये रहा। कोरोना रेमेडीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को गत बुधवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 137.04 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 655.37 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 1,008–1,062 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कोरोना रेमेडीज ने गत शुक्रवार को एंकर निवेशकों से 195 करोड़ रुपये जुटाए थे।

कोरोना रेमेडीज़ के मार्केट डेब्यू पर एक्सपर्ट की राय

स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट की वेल्थ हेड शिवानी न्याति ने शॉर्ट–टर्म इन्वेस्टर्स को कुछ प्रॉफिट बुक करने की सलाह दी, जबकि लॉन्ग–टर्म इन्वेस्टर्स बाकी शेयर होल्ड कर सकते हैं। उन्होंने कंपनी के मजबूत फंडामेंटल्स और स्टेबल क्रॉनिक थेरेपी सेगमेंट में इसकी मौजूदगी पर जोर दिया। अहमदाबाद में स्थित, कोरोना रेमेडीज़ महिलाओं की हेल्थकेयर, कार्डियो–डायबिटीज, दर्द मैनेजमेंट और अन्य थेराप्यूटिक एरिया में 67 ब्रांड्स के डाइवर्सिफाइड प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ प्रोडक्ट डेवलप, मैन्युफैक्चर और मार्केट करती है।

भारत वैश्विक स्तर पर सबसे आशावादी उपभोक्ता बाजारों में से एक है : बीसीजी रिपोर्ट

सकल घेरलू उत्पाद (जीडीपी) की मजबूत वृद्धि से भारत में उपभोक्ताओं की धारणा में पूरे वर्ष स्थिर गति देखी गई और देश लगातार अच्छे समय की उम्मीद रखने वाले 61 प्रतिशत उपभोक्ताओं के साथ सबसे आशावादी बाजारों में से एक बना हुआ है। वैश्विक परामर्श कंपनी बीसीजी की नवीनतम 'ग्लोबल कंज्यूमर रडार' रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपभोक्ता मौजूदा भू–राजनीतिक संघर्षों से अप्रभावित हैं क्योंकि केवल 17 प्रतिशत उपभोक्ताओं का मानना घ्छै कि हाल के वैश्विक संघर्षों या राजनीतिक घटनाओं से देश की वृद्धि दर धीमी होगी जो चीन के बाद दूसरा सबसे कम आंकड़ा है। इसके विपरीत, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के 60 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं का ऐसा मानना है। बीसीजी की रिपोर्ट में विकसित देशों फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, अमेरिका, जापान और विकासशील देशों मैक्सिको, ब्राजील, भारत और चीन को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, 61 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ता लगातार अच्छे समय की उम्मीद करते हैं जबकि 34 प्रतिशत व्यापक बेरोजगारी या मंदी की आशंका जताते हैं। इसका मतलब है कि कुल मिलाकर 27 प्रतिशत उपभोक्ता आशावादी रुख अपनाए हैं। इसमें कहा गया कि भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर है और वैश्विक औसत करीब –12 प्रतिशत से कहीं ऊपर बना हुआ है।

अगले कुछ वर्ष में इलेक्ट्रिक वाहनों के मुख्य घटकों का स्थानीयकरण किया जाएगा : मारुति सुजुकी

मारुति सुजुकी इंडिया देश में समग्र इलेक्ट्रिक वाहन परिवेश को मजबूत करने के हिस्से के रूप में अगले कुछ वर्ष में बैटरी उत्पादन एवं अन्य महत्वपूर्ण घटकों के स्थानीयकरण की योजना बना रही है। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी अगले साल घरेलू बाजार में अपना पहला इलेक्ट्रिक वाहन 'ई विटारा' पेश करने की योजना भी बना रही है। मारुति सुजुकी इंडिया

के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) पार्थो बनर्जी ने यहां पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, ''फिलहाल हम बैटरियों का आयात कर रहे हैं लेकिन हां, हमारे पास स्थानीयकरण की योजना है। अगले कुछ वर्षों में चरणबद्ध तरीके से इसे लागू करने की पूरी संभावना है।'' उन्होंने कहा कि भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की पैठ तभी बढ़ेगी जब उपभोक्ता को इसे घर में मुख्य तौर पर इस्तेमाल करने वाले वाहन के रूप में खरीदने का भरोसा मिले। बनर्जी ने कहा, ''हमारा मानना घ्छै कि ग्राहक इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। शुरुआती उत्पादों और उनसे मिले अनुभवों ने लोगों के मन में 'ड्राइविंग रेंज' को लेकर काफी नकारात्मक धारणा उत्पन्न कर दी है।'' उन्होंने कहा कि अब तक जो ग्राहक इलेक्ट्रिक वाहन खरीद रहे हैं उनमें से अधिकतर इसका उपयोग अतिरिक्त वाहन के रूप में कर रहे हैं। बनर्जी ने साथ ही बताया कि मारुति ने 'ई–विटारा' का निर्यात शुरू कर दिया है और इस मॉडल की 10,000 इकाई 26 बाजारों में भेज चुकी है। मोटर वाहन विनिर्माता कई इलेक्ट्रिक मॉडल बाजार में उतारने और देश भर में चार्जिंग से जुड़ा बनुयादी ढ़ांचा स्थापित करने का लक्ष्य रखती है ताकि इस खंड में नेतृत्व स्थिति हासिल कर सके। वित्त वर्ष 2029–30 तक मारुति सुजुकी की योजना अपने समग्र उत्पाद खंड में पांच इलेक्ट्रिक वाहन मॉडल शामिल करने की है।

इन पांच अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों पर रहेगी सबकी नजर; क्या इस बार मिलेंगे नए हार्दिक–बुमराह ?

अबू धाबी। इंडियन प्रीमियर लीग सिर्फ एक क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं, बल्कि सपनों को पहचान देने वाला मंच है। यही वह लीग है जिसने कभी आर अश्विन, हार्दिक पांड्या, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ियों को वैश्विक पहचान दिलाई। हर सीजन के साथ आईपीएल नई कहानियां गढ़ता है और अनकैप्ड खिलाड़ियों को वह मौका देता है, जो घरेलू क्रिकेट की सीमाओं से बाहर निकलकर अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंच सकते हैं।

आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में भी कहानी कुछ ऐसी ही होने वाली है। ज्यादातर फ्रेंचाइजियों के पास सीमित पर्स और खाली स्लॉट्स होंगे, ऐसे में घरेलू क्रिकेट में चमक दिखा चुके कुछ अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों की डिमांड आसमान छू सकती है। आइए नजर डालते हैं उन पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों पर, जो इस ऑक्शन में बड़ा नाम बन सकते हैं।

1. औकिब नबीः स्विंग से डेथ ओवर्स तक का सफर

जम्मू–कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी (औकिब डार के नाम से रजिस्टर्ड) पिछले कुछ सत्रों से घरेलू क्रिकेट में लगातार विकेट चटकाते आए हैं। शुरुआत में एक पारंपरिक स्विंग गेंदबाज रहे औकिब ने हाल के समय में अपने खेल में डेथ ओवर्स की धार जोड़ ली है, जिसने उनकी वैल्यू कई गुना बढ़ा दी है। हालिया सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में उनके आंकड़े इस बदलाव की गवाही देते हैं। उन्होंने सात मैचों में 15 विकेट, वो भी आठ से कम की इकॉनमी के साथ। केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के साथ नेट बॉलर रह चुके औकिब अब उस मोड़ पर हैं, जहां फ्रेंचाइजियां उन्हें सिर्फ अभ्यास में नहीं, बल्कि प्लेइंग इलेवन में देखना चाहेंगी।

2. प्रशांत वीरः क्या CSK को मिल गया जडेजा का रिप्लेसमेंट?

20 वर्षीय प्रशांत वीर, बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर, पहली बार यूपी टी20 लीग में नोएडा सुपर किंग्स के लिए चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा। चेन्नई

सुपर किंग्स ने उन्हें ट्रायल्स में परखा है। संकेत साफ हैं कि फ्रेंचाइजी उन्हें रवींद्र जडेजा के लंबे विकल्प के रूप में देख रही है। हाल के हफ्तों में प्रशांत ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई से लेकर कोलकाता तक में लगातार मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 170 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाए। साथ ही नौ विकेट भी लिए। उनका इकोनॉमी रेट 6.76 का रहा। इन आंकड़ों ने बता दिया है कि शायद जल्द ही वह किसी आईपीएल टीम हिस्सा बन सकते हैं।

3. अशोक शर्माः रफ्तार, सुधार और सही समय

राजस्थान के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा लगातार 140 किमी/घंटा से ऊपर की गति से गेंद फेंकने का दमखम रखते हैं। करियर के शुरुआती दौर में वह अनियमित जरूर रहे, लेकिन पिछले दो सत्रों में उन्होंने खुद को एक पूरी तरह विकसित फास्ट बॉलर के रूप में ढाला है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप स्टेज में सात मैचों में उन्होंने 19 विकेट चटकाए। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 12.10 का और इकोनॉमी रेट 8.84 का रहा। पेस बॉलर्स ढूंढ रही फ्रेंचाइजी इस गेंदबाज को खरीद सकती हैं। केकेआर और राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा रहने के बावजूद उन्हें अब तक आईपीएल डेब्यू का मौका नहीं मिला, लेकिन इस बार माहौल अलग है। लगता है इंतजार खत्म होने वाला है।

4. क्रेन्स फुलेत्राः दुर्लभ कला, बड़ा आकर्षण

लेफ्ट–आर्म रिस्ट स्पिनर दुनिया भर में गिने–चुने हैं और यही बात क्रेन्स फुलेत्रा को खास बनाती है। सौराष्ट्र के लिए महज दो टी20 मैच खेलने वाले फुलेत्रा को सनराइजर्स हैदराबाद ने नेट बॉलर के तौर पर चुना था। एक तकनीकी वजह से वह एडम जैम्पा के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में नहीं आ सके, लेकिन उससे पहले ही उनकी प्रतिभा पहचानी जा चुकी थी। खास बात यह कि सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने खुद उनका नाम फ्रेंचाइजी को सुझाया था। अब कम से कम दो आईपीएल टीमें उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। उनके लिए सवाल क्षमता का नहीं, सही समय का है।

5. कार्तिक शर्माः छक्कों का नया सौदागर

महज 19 साल के कार्तिक शर्मा एक ऐसे बल्लेबाज हैं, जिनकी पहचान है बड़ी–बड़ी हिट लगाना। लोअर ऑर्डर फिनिशर के तौर पर उनका नाम तेजी से चर्चाओं में आया है। उन्होंने अब तक 12 टी20 मैचों में 164 के स्ट्राइक रेट से 334 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 28 छक्के लगाए। उन्हें जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने अपने साथ भी जोड़ रखा है। इसके अलावा केविन पीटरसन और आर अश्विन जैसी हस्तियों से उन्हें तारीफ भी मिल चुकी है। ये सब बताते हैं कि कार्तिक सिर्फ आंकड़ों तक सीमित नहीं हैं। राजस्थान की टीम के लिए उनकी फिनिशिंग ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के नॉकआउट तक पहुंचने में अहम भूमिका निभाई।

शेफाली बनीं नवंबर की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी, इस पारी के लिए सम्मान

दुबई। क्रिकेट में कुछ पारियां ऐसी होती हैं, जो सिर्फ स्कोरकार्ड तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि इतिहास बन जाती हैं। शेफाली वर्मा की वर्ल्ड कप फाइनल पारी भी कुछ ऐसी ही रही। आईसीसी महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप 2025 के खिताबी मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा को नवंबर 2025 के लिए आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है। नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में शेफाली ने बल्ले और गेंद दोनों से मैच की तस्वीर बदल दी और भारत के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए टीम को पहला घ्ब्ब महिला वर्ल्ड कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

फाइनल में शेफाली का प्रभावी प्रदर्शन

खिताबी मुकाबले में शेफाली वर्मा ने पारी की शुरुआत करते हुए 87 रनों की शानदार पारी खेली। यह न सिर्फ उनका वनडे करियर का सर्वोच्च स्कोर रहा, बल्कि तीन साल से ज्यादा समय बाद आया पहला अर्धशतक भी था। शेफाली ने स्मृति मंधाना के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 104 रनों की साझेदारी की, जिसने भारत को मजबूत नींव दी। दबाव के सबसे बड़े मंच पर

शेफाली का यह संयमित लेकिन आक्रामक प्रदर्शन भारत के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

बल्ले के बाद गेंद से भी दिखाया दम

शेफाली ने सिर्फ बल्लेबाजी से ही नहीं, बल्कि गेंदबाजी से भी अपनी उपयोगिता साबित की।

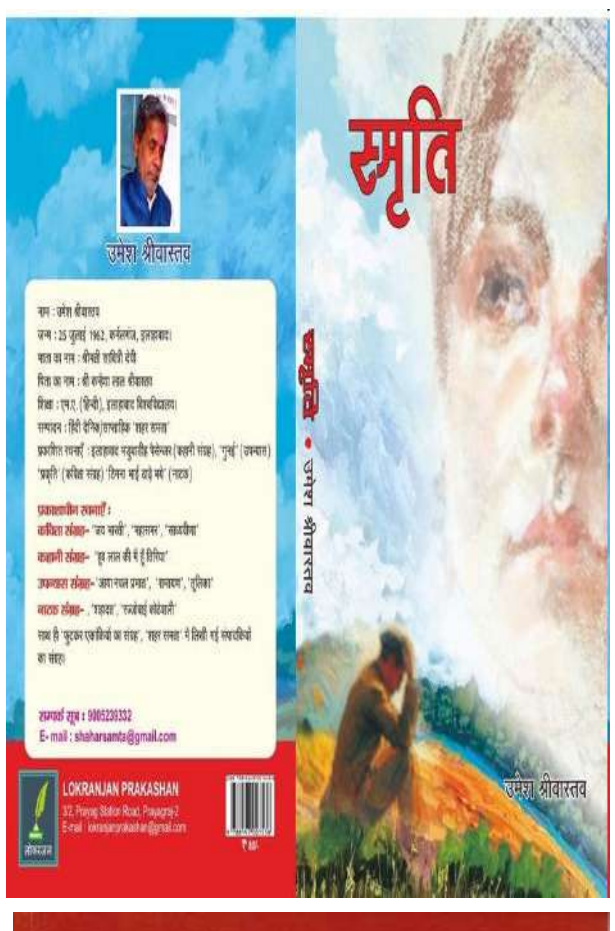

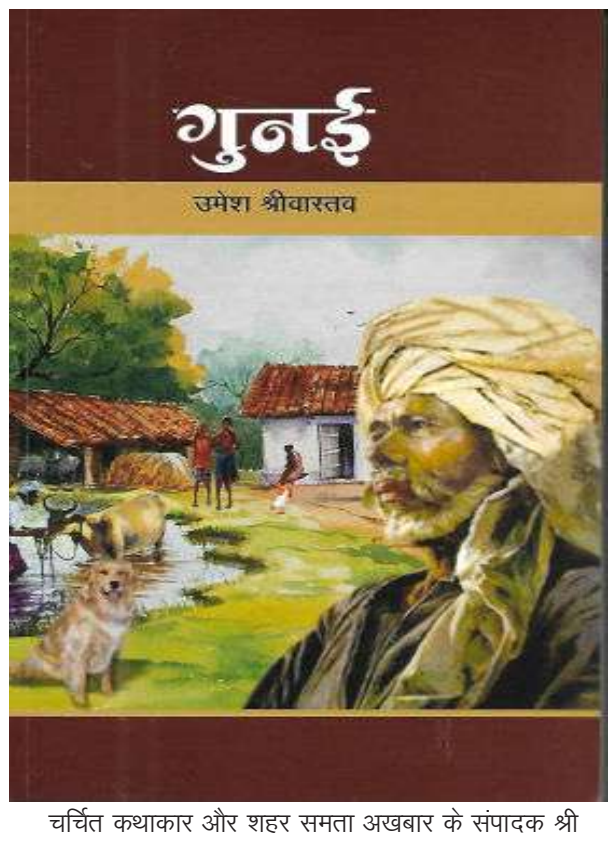

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

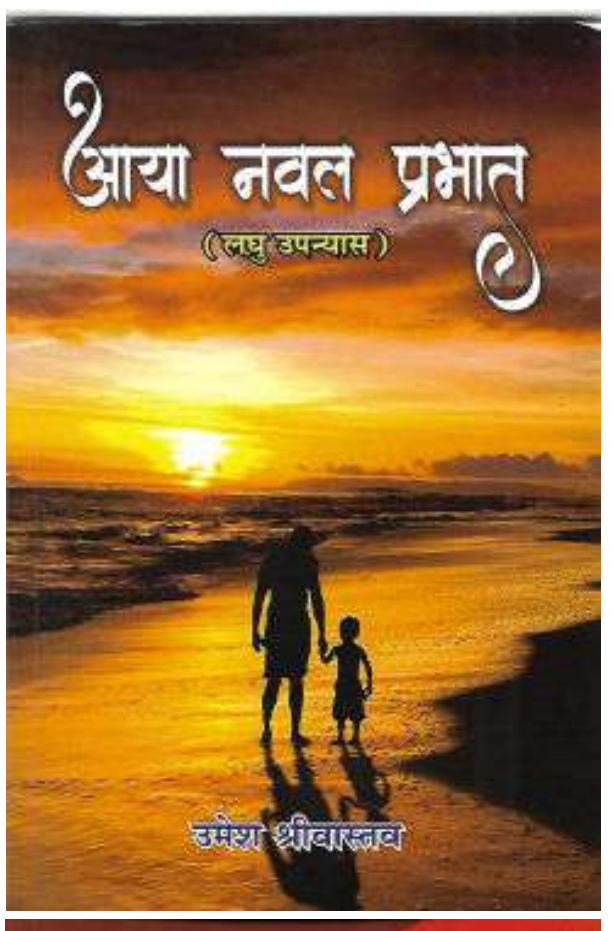

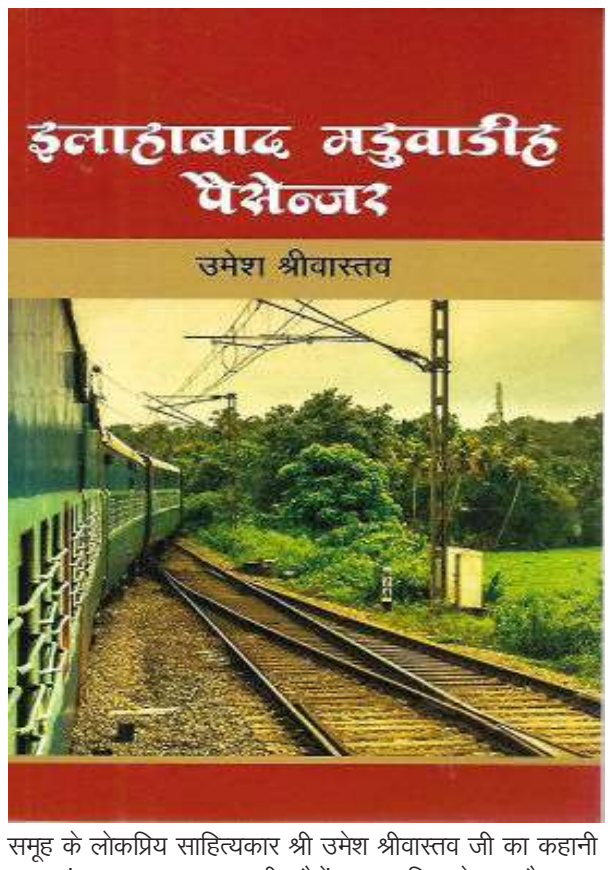

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

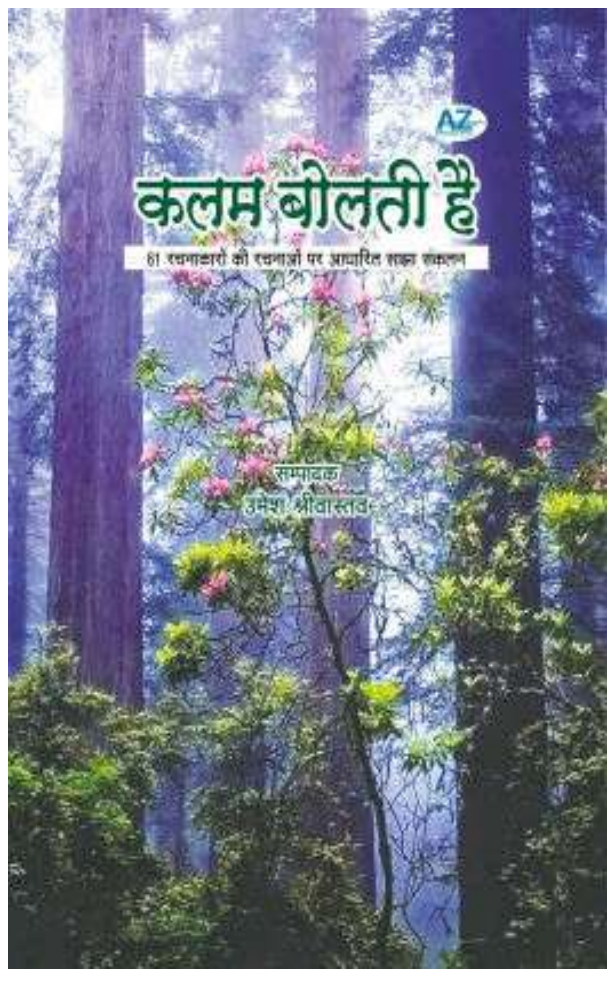

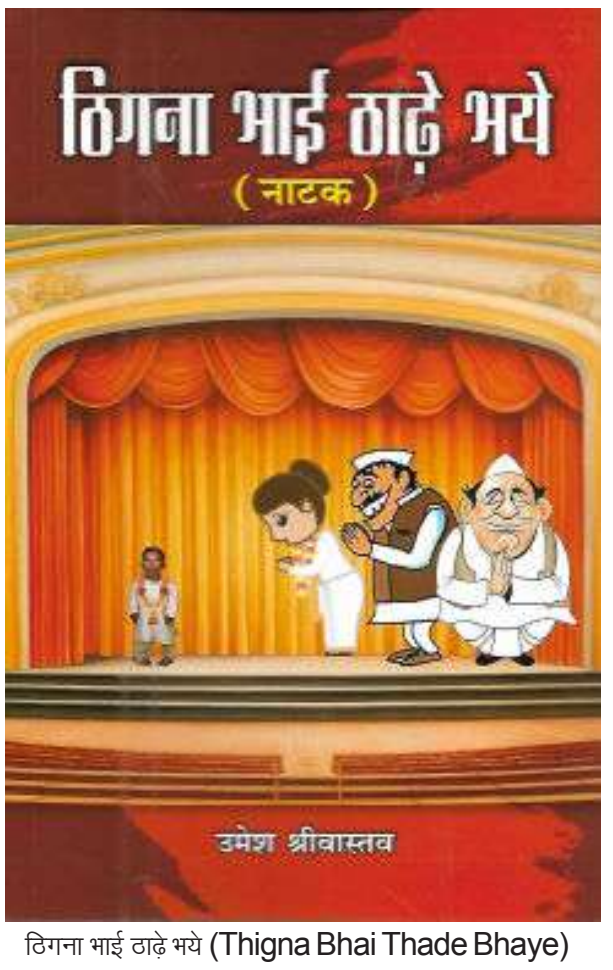

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

इराक की सर्वोच्च संघीय अदालत ने चुनाव नतीजों पर मुहर लगाई

इराक के सर्वोच्च संघीय न्यायालय ने देश में पिछले महीने संपन्न संसदीय चुनावों के नतीजों को रविवार को अनुमोदित कर दिया। इससे यह पुष्टि हो गई कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल–सुदानी की पार्टी ने सबसे अधिक सीट जीतीं, लेकिन इतनी सीट नहीं कि उन्हें दूसरा कार्यकाल मिल

सके। अदालत ने पुष्टि की कि मतदान प्रक्रिया सभी संवैधानिक और कानूनी आवश्यकताओं को पूरा करती है तथा इसकी वैधता को प्रभावित करने वाली कोई अनियमितता नहीं पाई गई है। 'इंडिपेंडेंट हाई इलेक्टोरल कमीशन' ने चुनाव परिणामों के संबंध में प्राप्त 853 शिकायतों का समाधान करने के बाद सोमवार को विधायी चुनावों के अंतिम परिणाम आधिकारिक प्रामाणीकरण के लिए सर्वोच्च संघीय न्यायालय को सौंप दिए। अल–सुदानी के 'रीकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट कोलिशन' ने 329 सीटों वाली संसद में 46 सीट जीतीं। हालांकि, इराक में पिछले चुनावों में सबसे अधिक सीट जीतने वाला गुट अक्सर अपने पसंदीदा उम्मीदवार को प्रधानमंत्री बनाने में असमर्थ रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री नूरी अल–मलिकी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने 29 सीट जीतीं, जबकि असाइब अहल अल–हक मिलिशिया के नेता कैस अल–खजाली के नेतृत्व वाले सादिक़ौन को 28 सीट हासिल हुईं और देश के दो मुख्य कुर्द दलों में से एक, मसूद बरज़ानी के नेतृत्व वाली कुर्दिस्तान डेमोक्रेटिक पार्टी के खाते में 27 सीट गईं। संसद के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अल–हलबूसी की तकदुम पार्टी ने भी 27 सीट हासिल की हैं।

नेपाल के मनांग जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये

नेपाल के गंडकी प्रांत के मनांग जिले में रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किये गये। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप प्रभावित क्षेत्र से किसी प्रकार के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं मिली। भूकंप विज्ञान विभाग के अनुसार अपराह्न 12 बजकर 54 मिनट पर आए 4.7 तीव्रता वाले भूकंप का केंद्र मनांग जिले के थोचे में दर्ज किया गया। भूकंप के झटके आसपास के कास्की, लमजुंग और मुस्तांग जिलों में भी महसूस किये गये।

आतंकियों के घर छापेमारी जारी, आतंकी की गाड़ी से मिला आईएसआईएस का झंडा

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर हुए घातक आतंकी हमले में 16 लोगों की जान जाने के एक दिन बाद, ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियों ने यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है कि क्या संदिग्धों का संबंध इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) से था। यह जांच तब शुरू हुई जब हमलावरों की कार से चरमपंथी संगठन का झंडा बरामद होने की खबरें सामने आईं। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त माल लैन्योन ने कहा कि अधिकारी श्पूरी तरहश से जांच कर रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या संदिग्धों के श्चरमपंथी विचारश थे, तो उन्होंने टिप्पणी करने से परहेज किया और कहा कि जांच पूरी होने के बाद वे और जानकारी देने में खुशी महसूस करेंगे। लैन्योन ने कहा कि कल रात हमें काफी जानकारी मिली है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि यह सटीक हो। यह सब जांच का हिस्सा है। जैसा कि मैंने अभी कहा, मैं इस समय इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। जाहिर है, हम इस हमले के पीछे के मकसद की जांच करेंगे और मुझे लगता है कि यह जांच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमारी जांच पूरी तरह से होगी और हम आगे की जानकारी देने में खुशी महसूस करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, लैन्योन ने बताया कि संदिग्ध पिता–पुत्र थे। उन्होंने कहा कि पुलिस द्वारा मार गिराए गए 50 वर्षीय पिता के पास लाइसेंसी हथियार थे और उनके नाम पर छह हथियार पंजीकृत थे। हमले की निंदा करते हुए, अधिकारी ने कहा कि यह ऑस्ट्रेलियाई एजेंसियों के लिए एक श्कठिन समयश है और उन्होंने मृतकों के लिए प्रार्थना की। हनुक्का उत्सव पर हुए हमले में पिता–पुत्र की जोड़ी ने मृतकों की संख्या 16 कर दी है, जिनमें एक 10 वर्षीय बच्चा भी शामिल है। हालांकि, अधिकारियों को आशंका है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई घायल गंभीर हालत में हैं। न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त ने कहा यह समुदाय के लिए शोक मनाने और घावों को भरने का समय है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस अपना सर्वोत्तम कार्य करेगी, जो कि अपराधों को रोकना और उनकी जांच करना है। और हम यहूदी समुदाय को समर्थन देने के लिए यहां मौजूद रहेंगे।

कौन सा डेडली मिसाइल दागने निकला भारत! बॉर्डर पर हाई अलर्ट से दुश्मनों में खलबली!

भारत लगातार एक के बाद एक धमाका कर रहा है जिससे दुश्मन घबराए हुए हैं। अब भारत ने एक और तगड़ा ऐलान करके बॉर्डर पर हड़कंप मचा दिया है। जिसके बाद दुश्मनों के खेमे में चर्चा तेज हो गई है कि भारत किसी बड़ी तैयारी में है। पाकिस्तान के सारे टीवी चौनल्स पर यही बहस चल रही है कि कुछ घंटों बाद भारत क्या करने वाला है। पाकिस्तान ही नहीं बल्कि चीन और अमेरिका भी यह जानने के लिए बेचौन दिखाई दे रहे हैं कि आखिर भारत का प्लान क्या है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

हांगकांग की सबसे बड़ी लोकतंत्र समर्थक पार्टी ने खुद को किया भंग

तीन दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रहने के बाद क्यों उठाया ये कदम

हॉन्गकॉन्ग की सबसे बड़ी लोकतंत्र समर्थक पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी ने तीन दशकों से अधिक समय तक सक्रिय रहने के बाद खुद को भंग करने का फैसला किया है। पार्टी सदस्यों की बैठक में करीब 97 प्रतिशत मत पार्टी को समाप्त करने के पक्ष में पड़े। पार्टी अध्यक्ष लो किन हेई ने कहा कि बदलते राजनीतिक माहौल और लगातार बढ़ते दबावों को देखते हुए यह कठिन निर्णय लिया गया। 1994 में स्थापित डेमोक्रेटिक पार्टी लंबे समय तक हॉन्गकॉन्ग में सार्वभौमिक मताधिकार और लोकतांत्रिक सुधारों की प्रमुख आवाज रही। चीन के कानून से पार्टी पस्तः डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेता विधान परिषद और जिला परिषदों में चुने गए और आम नागरिकों के मुद्दों को मजबूती से उठाया। 2020 में चीन द्वारा लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के बाद पार्टी की गतिविधियां लगातार सीमित होती चली गई। राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू होने के बाद बढ़ा राजनीतिक दवाव, वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी और चुनावी सुधारों से लोकतंत्र समर्थक दलों के बाहर होने के कारण डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए सक्रिय राजनीति जारी रखना लगभग असंभव हो गया, जिसके चलते भंग करने का फैसला लिया गया। 1994 में स्थापित डेमोक्रेटिक पार्टी एक उदारवादी विपक्षी दल थी जिसने दशकों तक शहर के नेता के चुनाव में सार्वभौमिक मताधिकार के लिए जोर दिया। पार्टी के प्रमुख सदस्यों में मार्टिन ली, जिन्हें शहर का ष्लोकतंत्र का जनकष कहा जाता है, श्री हो, जो तियानमेन घटना के दौरान विरोध प्रदर्शनों का आयोजन करने वाले समूह के पूर्व नेता थे, और पत्रकार से कार्यकर्ता बनीं एमिली लाउ शामिल हैं। एक समय में इस पार्टी के पास कई विधायी सीटें थीं और इसने दर्जनों सीधे निर्वाचित जिला पार्षदों का समूह बनाया था जिन्होंने निवासियों को उनके घरेलू और नगरपालिका मामलों में सहायता प्रदान की। इसके कुछ पूर्व सदस्य वरिष्ठ अधिकारियों के रूप में सरकार में शामिल हुए। बीजिंग के साथ बातचीत करने की इसकी तत्परता के कारण इसका प्रस्ताव 2010 के राजनीतिक सुधार पैकेज में शामिल किया गया – इस कदम की कुछ सदस्यों और अन्य लोकतंत्र समर्थकों ने कड़ी आलोचना की, जो व्यापक बदलाव चाहते थे।

आईएसआईएस को खत्म कर देंगे! अमेरिकियों की मौत पर बौखलाए ट्रंप ने कर दिया बड़ा ऐलान

सीरिया में इस्लामिक स्टेट एक बार फिर खतरनाक तरीके से सक्रिय होता दिख रहा है। मध्य सीरिया के ऐतिहासिक शहर पलमायरा में शनिवार को आईएसआईएस के एक हमलावर ने अमेकी सैनिकों को निशाना बनाकर हमला किया। इस हमले में दो अमेरिकी सैनिकों और एक अमे नागरिक की मौत हो गई। जबकि तीन अन्य अमेरिकी सैनिक घायल हो गए। यह हमला उस वक्त हुआ जब अमेरिकी सैनिक आईएसआईएस के खिलाफ चल रहे अभियानों से जुड़ी एक बैठक में शामिल थे। मौके पर मौजूद सीआई सुरक्षा बलों ने हमलावर को मार गिराया लेकिन तब तक भारी नुकसान हो चुका था। इस्लामिक स्टेट के खिलाफ ऑपरेशन का हिस्सा रहे दो अमेरिकी सैनिकों समेत तीन लोगों की मौत के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाया है। अमेरिकी सैनिकों की सीरिया में आतंकी हमले के दौरान जान चली गई। इसके बाद ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा है कि बहुत गंभीर बदला लिया जाएगा। ट्रंप ने सोशल पोस्ट में कहा कि हम सीरिया में तीन अमेरिकी देशभक्तों की मौत पर दुख जताते हैं, जिनमें दो सैनिक और एक सिविलियन इंटरप्रेटर शामिल हैं। इसी तरह, हम तीन घायल सैनिकों के लिए प्रार्थना करते हैं, जिनके बारे में अभी पुष्टि हुई है कि वे ठीक हैं। यह अमेरिका और सीरिया पर आईएसआईएस का हमला था। सीरियाई सरकारी समाचार एजेंसी सना के अनुसार, सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका ने पलमायरा में खतरे की चेतावनियों पर ध्यान नहीं दिया, जहां यह हमला हुआ। हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप का गुस्सा साफ नजर आया। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर कहा कि यह हमला सिर्फ अमेरिका पर नहीं बल्कि सीरिया पर भी हमला है। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा और बहुत कड़ा बदला लिया जाएगा। ट्रंप ने यह भी बताया कि सीरिया के नए अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल शरा इस हमले से बेहद दुखी और नाराज हैं। ट्रंप के मुताबिक घायल अमेरिकी सैनिकों की हालत में अब सुधार है। आईएसआईएस को 2019 में क्षेत्रीय रूप से हरा दिया गया था। लेकिन यह हमला एक बार फिर दिखाता है कि संगठन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। खुफिया आकलनों के अनुसार आईएसआईएस के स्लीपर सेल अब भी सीरिया और इराक में सक्रिय हैं। माना जाता है कि संगठन के पास अब भी 5000 से 7000 लड़ाके मौजूद हैं जो मौके की तलाश में रहते हैं और कमजोर सुरक्षा हालात का फायदा उठाते हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हमला करने वाला व्यक्ति सीआई सुरक्षा बलों का ही सदस्य था जिसे उसके चरमपंथी झुकाव के कारण हटाया जा रहा था।

ताबड़तोड़ गोलियां, बिछी लाशें, यहूदियों पर अटैक, ईरान में क्यों शुरू हुई खलबली

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में यहूदी पर्व हनुक्का मनाते वक्त दो शूटर्स ने अंधाधुंध फायरिंग कर दी। उस वक्त सिडनी के बोंडाई बीच पर त्यौहार के चलते एक कार्यक्रम ऑर्गेनाइज किया गया था। आधिकारिक आंकड़े के मुताबिक इस हमले में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि लगभग 30 लोग घायल हैं। जहां पर यह हमला हुआ वो सिडनी ऑस्ट्रेलिया के राज्य न्यू साउथ वेल्स यानी एनएसडब्ल्यू की राजधानी है। एनएसडब्ल्यू पुलिस यानी न्यू साउथ वेल्स पुलिस के मुताबिक मौके पर ही एक संदिग्ध हमलावर की मौत हो गई। वहीं दूसरा शूटर गंभीर हालत में है जिसे कस्टडी में लिया जा चुका है। घटना में दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। इंटरनेशनल न्यूज़ एजेंसी राइटर्स की एक रिपोर्ट में चश्मदीदों के हवाले से बताया गया है कि समुद्री तट यानी बीच पर शाम को हुई यह फायरिंग करीब 10 मिनट तक चली जिससे तट पर मौजूद लोग घबरा कर रेत आसपास की सड़कों और पार्कक्स की ओर भागने लगे। एक चश्मदीद मार्कस ने कहा मैं घर जाने की तैयारी कर रहा था। बैग पैक कर रहा था। चप्पल पहन ही ली थी। बस पकड़ने ही वाला था कि तभी गोलियों की आवाज सुनाई दी। हम सब घबरा गए और भागने लगे। चप्पल, सामान सब कुछ वहीं छूट गया। हम पहाड़ी की तरफ भागे। मैंने शायद 40 से 50 गोलियों की आवाज सुनी होंगी। इस पर ऑस्ट्रेलिया के प्राइम मिनिस्टर एंथनी अल्बानीज़ ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस घटना को चौंकाने वाली और बेहद दर्दनाक बताया है। पीएम अल्बनीज ने कहा, इमरजेंसी सर्विसेज मौके पर मौजूद हैं और रेस्क्यू वर्क कर रही हैं। यह यहूदी विरोधी नफरत और आतंकवाद का एक बेहद बदतर काम है। जिसने हमारे देश के दिल पर हमला किया है। यहूदी ऑस्ट्रेलियंस पर हुआ हमला। हर ऑस्ट्रेलियन पर हमला है और हर ऑस्ट्रेलियन आज रात मेरी ही तरह हमारी जिंदगियों पर हुए इस हमले से टूट चुका है। हमारे देश में इस तरह की नफरत, हिंसा और आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है। मैं बिल्कुल साफ कहना चाहता हूं। हम इसे जड़ से उखाड़ फेंकेंगे। इस घिनौने और नफरत से भरे हिंसक काम के बीच भी राष्ट्रीय एकजुटता का एक पल उभरेगा। हालांकि, इजरायली मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इजरायली अधिकारी ईरान को मुख्य संदिग्ध मान रहे हैं। वे किसी भी सरकार या हिजबुल्लाह, हमास और पाकिस्तान स्थित लश्कर–ए–तैयबा जैसे आतंकी संगठनों से संभावित संबंधों की भी जांच कर रहे हैं। अल्बानीज़ ने इससे पहले मंगलवार को ही ईरान के साथ कूटनीतिक संबंधों को तोड़ दिया था। उन्होंने घोषणा की कि ऑस्ट्रेलियाई खुफिया अधिकारियों ने निष्कर्ष निकाला है कि ईरान ने अक्टूबर 2024 में सिडनी में एक कोषेर (यहूदी) खाद्य कंपनी लुईस कॉन्टिनेंटल किचन और दो महीने बाद मेलबर्न के अडास इजराइल सिनागॉग पर आगजनी हमलों का निर्देशन किया था।

इजरायल ने मार गिराया टॉप कमांडर, भड़का हमास, दे दी खुली धमकी!

हमास ने पुष्टि की है कि वरिष्ठ कमांडर राएद साद इस्राइली हमले में मारे गए हैं। यह अक्टूबर की शांति संधि के बाद से हमास के वरिष्ठ नेता की सबसे हाई–प्रोफाइल हत्या मानी जा रही है। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने गाजा सिटी के पास एक हमले में साद को मार गिराया। कम से कम 25 लोग इस हमले में घायल हुए। इस्राइल की सेना और सुरक्षा एजेंसी शिन बेट ने संयुक्त बयान में कहा कि उन्होंने हमास के सैन्य विंग कास्साम ब्रिगेड्स के हथियार उत्पादन प्रमुख राएद साद को मार गिराया। साद को कास्साम ब्रिगेड्स के सबसे प्रमुख कमांडरों में गिना जाता था और वह 7 अक्टूबर के हमास हमलों में कई ब्रिगेड का नेतृत्व कर चुका था, जो गाजा सिटी के पूर्वी इलाकों में इस्राइली समुदायों पर हुए थे। हमास के सिविल डिफेंस प्रवक्ता महमूद बसाल ने बताया कि हमले में कई राहगीरों को भी चोटें आई। स्थानीय हमास अधिकारी अबू अधिकारी ने कहा कि साद का सहयोगी और एक अन्य कई इस्राइली सैनिकों की इमाद अल–लबान भी मारे गए। इस्राइल के अनुसार, साद ने मौत के लिए जिम्मेदारी निभाई थी। फिलिस्तीनी संगठन के मुख्य वार्ताकार ने चेतावनी दी कि इसे संघर्ष विराम खतरे में पड़ सकता है। हमास ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मांग की कि इजराइल से वार्ता की शर्तों का अनुपालन करवाएं। इजराइली सेना और खुफिया एजेंसी मोसाद को ये खुफिया सूचना मिली थी कि साद गाजा के वेस्ट इलाके में यात्रा कर रहा था। इसके बाद उसने नाबुलसी इलाके में वाहन को टारगेट पर लिया। गाजा पर इजरायली के ताबड़तोड़ हमलों के वक्त साद करीब दो सालों से सुरंग में छिपकर बैठा था.गाजा ने साद की मौत की पुष्टि नहीं की है। उसने गाजा सिटी के बाहर 10 अक्टूबर को धमाके को सीजफायर का उल्लंघन बताया है। इजरायल और हमास के बीच इसी साल अक्टूबर में एक सीजफायर हुआ था। हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा किया था. वहीं इजरायल ने 2 हजार फलस्तीनी कैदियों को छोड़ा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समझौते का दावा किया था।

नाटो में शामिल नहीं होगा यूक्रेन, क्षेत्र छोड़ने के लिए अमेरिकी दबाव नहीं चाहते : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को पश्चिमी देशों से सुरक्षा गारंटी मिलने पर नाटो में शामिल नहीं होने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका उन पर रूस को क्षेत्र सौंपने के लिए दबाव न बनाए। जेलेंस्की युद्ध समाप्ति पर अमेरिका के राजनयिकों के साथ बातचीत के लिए बर्लिन पहुंचे थे। जेलेंस्की, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के साथ होने वाली अपेक्षित वार्ता से पहले चांसलरी पहुंचे। बर्लिन में हुई यह वार्ता यूक्रेन, अमेरिका और यूरोपीय अधिकारियों के बीच होने वाली सिलसिलेवार बैठकों का हिस्सा है। जेलेंस्की ने वार्ता से पहले 'व्हाट्सऐप ग्रुप चौट' पर ऑडियो क्लिप में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों ने नाटो में शामिल होने के यूक्रेन के प्रयास को खारिज किया है, इसलिए कीव को उम्मीद है कि पश्चिम उसे नाटो सदस्यों को दी गई गारंटी के समान ही गारंटी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, "ये सुरक्षा गारंटी रूस को एक बार फिर से युद्ध छेड़ने से रोकने का अवसर हैं। और यह हमारी ओर से एक समझौता है।" जेलेंस्की ने इस बात पर जोर दिया कि कोई भी सुरक्षा आश्वासन कानूनी रूप से बाध्यकारी होना चाहिए और अमेरिकी कांग्रेस द्वारा समर्थित होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि स्टटगार्ट में यूक्रेनी और अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के बीच हुई बैठक के बाद उन्हें अपनी टीम से जानकारी मिलने की उम्मीद है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा कि वह आज (रविवार) देर शाम जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और संभवतः अन्य यूरोपीय नेताओं से अलग–अलग मुलाकात करेंगे। ट्रंप, रूस से युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए कह रहे हैं और समझौते पर सहमति बनने में हो रही देरी से लगातार परेशान हो रहे हैं। संभावित समझौतों पर सहमति बनाने में कई बड़ी बाधाएं आई हैं, जिनमें यूक्रेन के पूर्वी दोनेत्सक क्षेत्र पर नियंत्रण भी शामिल है, जिस पर ज्यादातर रूसी सेनाओं का कब्जा है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन से दोनेत्सक क्षेत्र के उस हिस्से से अपनी सेना वापस बुलाने की मांग की, जो अब भी यूक्रेनी सैनिकों के नियंत्रण में है। हालांकि, कीव ने इस मांग को खारिज किया है। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन के लिए दोनेत्सक से पीछे हटने और वहां एक मुक्त आर्थिक क्षेत्र बनाने का विचार रखा था, जिसे उन्होंने अव्यवहारिक बताकर खारिज कर दिया।

सिडनी नरसंहार के लिए पाकिस्तानी बाप-बेटे ज़िम्मेदार, 16 मासूमों की आतंकियों ने गोली मार कर ले ली जान

ऑस्ट्रेलियाई अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का उत्सव के दौरान दो बंदूकधारियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें एक बच्चे सहित 15 लोगों की मौत हो गई। देश के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इसे यहूदी–विरोधी आतंकवाद का कृत्य बताया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बोंडी बीच पर हनुक्का सेलिब्रेशन के दौरान एक बच्चे समेत 16 लोगों की हत्या के लिए ज़िम्मेदार दो बंदूकधारियों की पहचान बाप–बेटे के तौर पर हुई है। पिता की पहचान 50 साल के साजिद अकरम और बेटे की पहचान 24 साल के नवीद अकरम के तौर पर हुई है। साजिद को ऑस्ट्रेलियाई कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने मार गिराया, जबकि नवीद को पकड़ लिया गया और फिलहाल उसका चोटों का इलाज चल रहा है। ब्बे न्यूज़ की एक रिपोर्ट के अनुसार, ये दोनों मूल रूप से पाकिस्तान के रहने वाले हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, न्यू साउथ वेल्स पुलिस कमिश्नर मैल लैन्योन ने कहा कि पिता के पास लाइसेंसी हथियार थे और उनके नाम पर छह हथियारों का लाइसेंस था। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या वे किसी चरमपंथी समूह से जुड़े थे, क्योंकि उनकी कार से इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (ैै) का झंडा बरामद हुआ है। जब रिपोर्टरों ने पूछा कि क्या ये दोनों ैै से जुड़े थे, तो लैन्योन ने कहा, ष्यह सब जांच का हिस्सा है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।